epaper.dehatsandesh.com

3 वरिष्ठ डीसीएम जम्मू को मिलेगा अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

5 सिडनी टेस्ट: दूसरे दिन का खेल खत्म, जो रूट ने की पोंटिंग की बराबरी

8 मिट्टी में सुधार कैसे करें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 5 — अधिकतम 16

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-05 | जम्मू तवी, मंगलवार 06 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर पावर प्रोजेक्ट्स फिर से पटरी पर, सिंधु जल समझौते के बाद देरी खत्म :मनोहर लाल खट्टर

जम्मू, 5 जनवरी । केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में सभी पावर प्रोजेक्ट जिसमें किश्तवाड़ में बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट शामिल हैं, तय समय के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं और जोर देकर कहा कि लंबे समय से लंबित मुद्दे जिन्होंने पहले उनके काम में बाधा डाली थी अब हल हो गए हैं।

किश्तवाड़ की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए खट्टर ने कहा कि सिंधु जल संधि से संबंधित हालिया घटनाक्रम के बाद यह क्षेत्र में किसी केंद्रीय ऊर्जा मंत्री की पहली यात्रा थी। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियों को साफ और पक्के निर्देश दिए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी प्रोजेक्ट बिना किसी और देरी के तय समय पर पूरे हों।

प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स के अपने निरीक्षण के बारे में बात करते हुए खट्टर ने रतले हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट, सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट और सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की अपनी यात्राओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभी चार प्रमुख

प्रोजेक्ट्स पर काम ने गति पकड़ ली है और अब वे मजबूती से पटरी पर आ गए हैं।

खट्टर ने कहा कि सभी पावर प्रोजेक्ट समय पर पूरे होने चाहिए। ये प्रोजेक्ट कई सालों से बन रहे हैं और पहले भी समस्याओं का सामना कर चुके हैं लेकिन अब उन सभी मुद्दों को हल कर दिया गया है। एक-एक करके सभी चार प्रोजेक्ट पूरे होंगे और तय समय के अनुसार बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने से जम्मू और कश्मीर को बहुत फायदा होगा और देश की कुल एनर्जी सिक्योरिटी में भी योगदान मिलेगा। जम्मू और कश्मीर में भारत के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स पर पाकिस्तान की बार-बार की आपत्तियों का जवाब देते हुए खट्टर ने उन्हें सिर्फ़ बयानबाज़ी कहकर खारिज कर दिया और कहा कि ऐसे बयानों का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। खासकर तब जब भारत ने लगातार सीमा पार आतंकवाद के संदर्भ में सिंधु जल संधि की समीक्षा करने पर कड़ा रुख अपनाया है।

खट्टर ने कहा कि पाकिस्तान के बयानों का कोई मतलब नहीं है। प्रधानमंत्री पहले ही साफ कर चुके हैं कि लगातार आतंकवाद के संदर्भ में सिंधु जल संधि की समीक्षा की गई है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करने के लिए किश्तवाड़ का दौरा किया।

सवालकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के दौरे पर उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (एनएचपीसी) द्वारा बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट से 800 मेगावाट बिजली पैदा होगी जिससे देश की बिजली उत्पादन क्षमता में योगदान मिलेगा। उन्होंने सलाल पावर प्रोजेक्ट का भी दौरा किया।

श्रीनगर में वीपीएन सेवाएं दो महीने के लिए निलंबित

श्रीनगर, 5 जनवरी । श्रीनगर के जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीनगर जिले के अधिकार क्षेत्र में सभी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) सेवाओं को दो महीने के लिए तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया है। आदेश में कहा गया है कि श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निहित स्वार्थों द्वारा वीपीएन सेवाओं के दुरुपयोग की आशंका जताई थी जिससे जिले में सार्वजनिक व्यवस्था और साइबर सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आदेश के अनुसार वीपीएन सेवाएं एन्क्रिप्टेड डेटा प्रसारित करके और पॉइंट-टू-पॉइंट टनल बनाकर उपयोगकर्ताओं को आईपी पते छिपाने और वेबसाइट प्रतिबंधों और फायरवॉल को बायपास करने में सक्षम बनाती हैं। प्रशासन ने पाया कि इन सुविधाओं का दुरुपयोग गैरकानूनी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है जिनमें अशांति फैलाना, भड़काऊ सामग्री का प्रसार करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हानिकारक गतिविधियों का समन्वय करना शामिल है। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि वीपीएन का अनियंत्रित उपयोग सार्वजनिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है जिससे व्यापक जनहित में तत्काल निवारक उपाय करना अनिवार्य हो जाता है। हालांकि आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय सूचना केंद्र के माध्यम से संचालित सरकारी विभागों द्वारा अधिकृत वीपीएन उपयोग पर यह निलंबन लागू नहीं होगा।

जम्मू में स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी में श्री गुरु गोबिंद सिंह की का प्रकाशोत्सव बड़ी धूमधाम व श्रद्धा से मनाया गया। छाया: सुरजीत

वीपीएन के अवैध उपयोग पर कार्रवाई करते हुए 11 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

गांदरबल, 05 जनवरी। वीपीएन सेवाओं के अवैध उपयोग पर कार्रवाई करते हुए गांदरबल पुलिस ने जिला मजिस्ट्रेट गांदरबल के आदेशों का उल्लंघन करने वाले 11 व्यक्तियों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की है और उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के संबंधित प्रावधानों के तहत जमानत पर रिहा कर दिया है। एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान गांदरबल और कंगन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 11 व्यक्तियों को वीपीएन सेवाओं का अवैध रूप से उपयोग करते हुए पाया गया।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस की धारा 126 170 के तहत इस्तगासा संबंधित कार्यकारी मजिस्ट्रेटों के समक्ष प्रस्तुत किया गया और इन व्यक्तियों को बीएनएसएस की धारा 126 के तहत अच्छे व्यवहार को बनाए रखने के लिए बाध्य किया गया। गांदरबल पुलिस ने चेतावनी दी है कि कानून के आदेशों का कोई भी उल्लंघन करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जनता से शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि गांदरबल पुलिस जिले में सुरक्षा और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है

जम्मू-कश्मीर में मेगा परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन में प्रगति की अहम भूमिका : मुख्य सचिव

जम्मू, 05 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं में तेजी लाने में प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्लेटफॉर्म के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला और कहा कि यह लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने और बड़ी पहलों के समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में उभरा है। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, मुख्य सचिव ने प्रगति 50 के महत्व को रेखांकित किया यह देखते हुए कि प्रौद्योगिकी-संचालित शासन तंत्र ने कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक खोल दिया है जो अंतर-विभागीय बाधाओं और प्रक्रियात्मक देरी के कारण दशकों से रुकी हुई थीं।

संवाददाता सम्मेलन में आयुक्त सचिव, सूचना एम. राजू; निदेशक सूचना, नितीश राजोरा; निदेशक, पीआईबी जम्मू, नेहा जलाली; संयुक्त निदेशक सूचना मुख्यालय, जहूर अहमद रैना; संयुक्त निदेशक सूचना जम्मू, दीपक दुबे, और सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) के अन्य वरिष्ठ अधिकारी। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना को एक प्रमुख उदाहरण के रूप में उद्धृत करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि 1995 में शुरू होने के बावजूद, इस परियोजना में लगभग 25 वर्षों तक न्यूनतम प्रगति देखी गई। हालाँकि, करीबी निगरानी के लिए प्रगति के तहत शुरू किए जाने के बाद, अंतर-विभागीय समन्वय में वृद्धि और स्वयं प्रधान मंत्री के उच्चतम स्तर पर सीधे हस्तक्षेप के कारण परियोजना को पर्याप्त गति मिली। उन्होंने बताया कि 500 करोड़ से अधिक के परिव्यय वाली सभी परियोजनाओं की निगरानी कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में प्रधान मंत्री समूह (पीएमजी) द्वारा की जाती है, जबकि उनमें से सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति बैठकों के माध्यम से सीधे प्रधान मंत्री द्वारा समीक्षा की जाती है। आगे विस्तार से बताते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि पीएमजी वर्तमान में जम्मू और कश्मीर में 61 परियोजनाओं की निगरानी कर रहा है जिसमें कनेक्टिविटी, ऊर्जा और सामाजिक बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 4.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी निवेश है। इनमें से 69,000 करोड़ के परिव्यय वाली 15 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं जबकि शेष परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

पीएम के नेतृत्व में भारत में खेल क्रांति हो रही है : एलजी सिन्हा

जम्मू तवी, 5 जनवरी। यह कहते हुए कि खेलो इंडिया पहल भारतीय खेलों के इतिहास में एक टर्निंग पॉइंट बनकर उभरी है, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसका असर अब पूरे देश में साफ दिख रहा है। दीव के मशहूर ब्लू फ्लैग-सर्टिफाइड घोगला बीच पर खेलो इंडिया बीच गेम्स के दूसरे एडिशन के शानदार उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने इस इवेंट के पहले एडिशन को याद किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन गेम्स की कल्पना भारत के खेल परिदृश्य को बदलने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में की थी। उन्होंने कहा, आज, वह विजन हकीकत बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हम देश में एक सच्ची खेल क्रांति देख रहे हैं।

> “ खेलो इंडिया भारतीय खेलों के लिए गेम-चेंजर

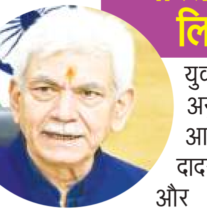

LG सिन्हा ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक युवा एथलीटों की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान से कई नए रोल मॉडल सामने आएंगे, जो टीम वर्क को प्रेरित करेंगे और दुनिया के सामने भारत के युवाओं की ताकत, अनुशासन और आत्मविश्वास दिखाएंगे। दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल को बीच स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए बधाई देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि खेलो इंडिया बीच गेम्स जैसी पहलों ने घोगला बीच को वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा, आज, दुनिया ऐसे खेल पहलों की वजह से घोगला बीच को जानती है। खेलों के माध्यम से युवा सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, रत्न सिन्हा ने कहा कि भारत के युवा खिलाड़ी सिर्फ पारंपरिक खेलों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि नए और उभरते खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, फ्रकश्मीर से कन्याकुमारी तक, भारत के युवा खेल उत्कृष्टता को फिर से परिभाषित कर रहे हैं और खेल के मैदानों से लेकर पोडियम तक एक नया इतिहास लिख रहे हैं।

अवैध ईंधन की खेप जब्त की, जन सुरक्षा का खतरा टला

पुलवामा, 05 जनवरी। जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई एक सक्रिय कार्रवाई में पुलवामा पुलिस ने लिटर में संदेह के आधार पर एक मालवाहक वाहन को रोका। जांच के दौरान वाहन में ज्वलनशील पदार्थ के छह बैरल पाए गए जो स्पष्ट रूप से पेट्रोल/डीजल था और बिना किसी वैध अनुमति या परमिट के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। पदार्थ की अत्यधिक खतरनाक प्रकृति और जन सुरक्षा के लिए इसके गंभीर खतरे को देखते हुए पुलिस ने तुरंत वाहन और बैरल जब्त कर लिए। तदनुसार, लिटर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 287 के तहत एफआईआर संख्या 02/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। ईंधन के स्रोत, उसके गंतव्य और यदि कोई अन्य व्यक्ति इसमें शामिल है।तो उसकी पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

भारतीय रेल ने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में 80 प्रतिशत से अधिक पूंजीगत व्यय का उपयोग किया

नई दिल्ली, 05 जनवरी । भारतीय रेल चालू वित्त वर्ष 2025-26 में तेज, सुरक्षित और किफायती रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रही है। आधुनिक और कनेक्टेड भारत के विजन के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार संगठन के रूप में खुद को रूपांतरित करते हुए भारतीय रेल ने पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के उपयोग में मजबूत प्रदर्शन किया है। रेल मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर 2025 के अंत तक भारतीय रेल ने कुल सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) 2,52,200 करोड़ रुपये में से 2,03,138 करोड़ रुपये यानी 80.54 प्रतिशत का उपयोग कर लिया है। यह दिसंबर 2024 की समान अवधि की तुलना में जीबीएस उपयोग में 6.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह व्यय मुख्य रूप से सुरक्षा उपायों, क्षमता संवर्धन, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं पर केंद्रित रहा है। सुरक्षा से जुड़े कार्यों में आवंटित राशि का 84 प्रतिशत उपयोग किया गया है। क्षमता वृद्धि के लिए 1,09,238 करोड़ रुपये के आवंटन में से 76,048 करोड़ रुपये (लगभग 69 प्रतिशत) खर्च किए जा चुके हैं। वहीं, यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में दिसंबर 2025 तक 9,575 करोड़ रुपये व्यय के साथ 80 प्रतिशत उपयोग दर्ज किया गया है। पिछले एक दशक में निरंतर कैपेक्स के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। देशभर में 164 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं, 30 अमृत भारत ट्रेन सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। इसके अलावा, कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का कार्यान्वयन, ब्रॉडगेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत से अधिक विद्युतीकरण, नई रेल लाइनों, गेज परिवर्तन, ट्रैक दोहरीकरण, ट्रैफिक सुविधाओं, पीएसयू निवेश और मेट्रोपॉलिटन परिवहन प्रणालियों से जुड़े व्यापक कार्य किए गए हैं। इन पहलों से रेल सेवाओं की गति, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जबकि किराया किफायती बना हुआ है। शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के उद्घाटन के साथ लंबी दूरी की रेल यात्रा में भी बड़ा परिवर्तन आने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय ने कहा कि इन रुझानों से स्पष्ट है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित जीबीएस व्यय योजना सही दिशा में है और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं।

लेह में बर्फबारी से उड़ान परिचालन बाधित; इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

लेह, 05 जनवरी। इंडिगो एयरलाइंस ने लेह में भारी बर्फबारी के बाद अपने यात्रियों के लिए यात्रा सलाह जारी की है जिसके कारण हवाई अड्डे पर सभी टेक-ऑफ और लैंडिंग को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। एयरलाइन ने घोषणा की कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उड़ान संचालन रोक दिया गया है जिससे यात्रियों को विमान और हवाई अड्डे दोनों पर संभावित रूप से विस्तारित प्रतीक्षा समय की चेतावनी दी गई है। मंजूरी मिलने के बाद प्रस्थान में तेजी लाने के लिए इंडिगो ने कहा कि प्रभावित उड़ानों के लिए बोर्डिंग औपचारिकताएं पहले से पूरी की जा सकती हैं। एयरलाइन ने अपने आधिकारिक प्रेस नोट में कहा कि हम समझते हैं कि देरी असुविधाजनक हो सकती है और हम आपको आश्वस्त करते हैं कि हमारी टीम आपके इंतजार को यथासंभव आरामदायक बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इंडिगो मौसम की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और उसने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि स्थिति में सुधार होते ही उड़ानें फिर से शुरू हो जाएंगी।

यूपी के हर गांव में खुलेगी डिजिटल लाइब्रेरी

लखनऊ, 05 दिसंबर । उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। योगी सरकार 30 जनवरी तक सभी जिलों में आईटी उपकरणों की खरीद पूरी कर ग्राम पंचायत सचिवालयों में अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की तैयारी में जुटी है। यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को देश के बड़े कोचिंग और अध्ययन केंद्रों जैसी सुविधाएं उनके अपने गांव में उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। 26 जनवरी तक पुस्तकालयों के लिए फर्नीचर की खरीद पूरी कर लेने की कोशिश की जा रही है, जिसके बाद डिजिटल लाइब्रेरी संचालन के लिए तैयार होंगी। लाखों डिजिटल कंटेंट के जरिए कर सकेंगे उच्च स्तरीय तैयारीपंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी में वाई-फाई, एलईडी स्क्रीन, सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर सिस्टम के साथ-साथ किताबों और डिजिटल कंटेंट की समृद्ध व्यवस्था होगी। ई-बुक्स, वीडियो और ऑडियो लेक्चर, क्विज और लाखों डिजिटल शैक्षणिक सामग्री के जरिए ग्रामीण युवा अब अपने गांव में रहकर ही उच्च स्तरीय तैयारी कर सकेंगे।

शिक्षक प्रगतिशील, प्रबुद्ध समाज के निर्माण के सच्चे निर्माता हैं : सकीना इटू

जम्मू, 5 जनवरी। शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज यहां शिक्षकों के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रगतिशील और प्रबुद्ध समाज के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

शिक्षकों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने शिक्षकों को प्रगतिशील समाज के सच्चे निर्माता बताते हुए उनकी सराहना की और कहा कि उनका योगदान कक्षाओं और पाठ्यपुस्तकों से कहीं अधिक व्यापक है। उन्होंने कहा, जिम्मेदार नागरिकों के पालन-पोषण और समाज के नैतिक और बौद्धिक ताने-बाने को मजबूत करने में शिक्षक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों से शिक्षा से जुड़ी बदलती चुनौतियों के अनुरूप ढलने और युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नवीन शिक्षण विधियों को

अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास और मूल्य आधारित शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री सकीना ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला के दूरदर्शी नेतृत्व में रहबर-ए-तालीम (आरईटी) योजना शुरू करने जैसा क्रांतिकारी कदम उठाया गया जिसने जम्मू-कश्मीर में स्कूली शिक्षा क्षेत्र की दिशा बदल दी। उन्होंने आगे कहा कि आरईटी योजना के कारण दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र जो शिक्षा के लिए शहरों में जाने का खर्च वहन नहीं कर सकते थे अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त कर सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में शिक्षकों के योगदान को मान्यता दी जानी चाहिए और कहा कि बड़ी संख्या में आईएएस, आईपीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस अधिकारी सरकारी स्कूलों से पढ़े हैं जिसके लिए उनके शिक्षकों को सम्मानित किया जाना चाहिए।

लद्दाख के उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली, 5 जनवरी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने आज नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और क्षेत्र के समग्र विकास और कल्याण पर विस्तार से चर्चा की।

मुलाकात के दौरान, उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री को लद्दाख में चल रही प्रमुख विकास पहलों, कल्याणकारी योजनाओं और बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में सड़क और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने और आवश्यक सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

श्री कविंदर गुप्ता ने प्रधानमंत्री को स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने, लद्दाख की अनूठी सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से की गई पहलों के बारे में भी बताया। शिक्षा, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और केंद्र सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

उपराज्यपाल ने समावेशी विकास, सुशासन और जन-केंद्रित विकास पर प्रशासन के फोकस पर जोर दिया, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में जो कठोर जलवायु परिस्थितियों का सामना करते हैं। उन्होंने सार्वजनिक आकांक्षाओं और

विकासात्मक जरूरतों के बारे में जमीनी स्तर से फीडबैक साझा किया, और केंद्र शासित प्रदेश में तेजी से प्रगति के लिए निरंतर केंद्रीय समर्थन के महत्व को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने लद्दाख में समावेशी विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और वहां के लोगों के कल्याण के लिए केंद्र के निरंतर समर्थन को दोहराया।

बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे –

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे –

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

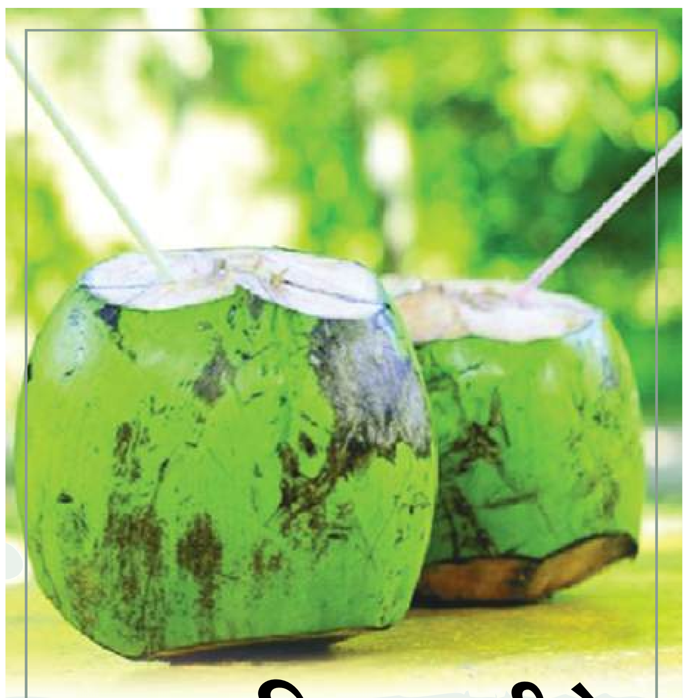

नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है, तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।

चाय बनाने की सही विधि

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाशोत्सव धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया

कठुआ, 05 जनवरी (हि.स.)। कठुआ में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाशोत्सव धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बैनर तले आयोजित मुखर्जी चैक पर स्थित गुरुद्वारा में कार्यक्रम के दौरान रागी जत्थों ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए संगत को निहाल किया।

स्थानीय रागी सहित अन्य ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए संगत को गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर कठुआ के सभी धर्मों के लोगों ने गुरुद्वारा में माथा टेककर आपसी भाईचारे की मिसाल दी। इसके साथ ही गुरुद्वारा श्री कलगीधर में अखंड पाठ साहिब शनिवार को आरंभ हुआ था। जोकि सोमवार को गुरुपर्व के उपलक्ष्य पर पाठ का भोग डालने के साथ संपन्न हुआ। कठुआ में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जेके ब्लड डोनर संस्था की अध्यक्षता में गुरुद्वारा के बाहर आयोजित इस शिविर में संगत ने रक्तदान कर गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर लोगों ने गुरु जी के बताए मार्ग पर चलते हुए रक्तदान कर उनकी शिक्षाओं को अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर संगत ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान चरणजीत सिंह ने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब ने हमें सच्चाई और धर्म के नाम पर चलने का संदेश दिया है ऐसे में हमें सच्चाई और धर्म के नाम पर चलकर आपसी भाईचारे को बनाए रखना होगा। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलकर समाज को बेहतर दिशा की ओर ले जाने में अपना योगदान दें।

उत्तरी सेना के कमांडर ने ध्रुवा मोटरसाइकिल रैली में लिया भाग, वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जम्मू, 05 जनवरी (हि.स.)। उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने सोमवार को उधमपुर से प्रारंभ हुई ध्रुवा मोटरसाइकिल रैली में भाग लिया। यह रैली भारत के वीर योद्धाओं के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने, पूर्व सैनिकों तक पहुंच बढ़ाने और सैन्य-नागरिक एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

14 जनवरी को मनाए जाने वाले 10वें पूर्व सैनिक दिवस से पूर्व, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने उधमपुर स्थित ध्रुव युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की सेवा में बलिदान देने वाले सैनिकों को नमन किया। रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने बताया कि परम वीर चक्र से सम्मानित मानद कैप्टन बाना सिंह और वीर चक्र से सम्मानित दिवंगत नायब सूबेदार चुन्नी लाल की पत्नी चिंता देवी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पीआरओ के अनुसार, पूर्व सैनिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए व्हाइट नाइट कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने रैली के प्रथम चरण में उधमपुर से नगरोटा तक बाइक सवारों के साथ सवारी की। लगभग 740 किलोमीटर लंबी यह रैली भारत के वीर सैनिकों के अद्वितीय योगदान और सर्वोच्च बलिदानों को सम्मान देने के साथ-साथ भारतीय सेना की पूर्व सैनिकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने बताया कि रैली व्हाइट नाइट कोर क्षेत्र के पीर पंजाल के मनोरम इलाकों से होकर गुजरेगी और 13 जनवरी को राजौरी में आयोजित पूर्व सैनिकों की विशाल रैली के साथ संपन्न होगी। मार्ग के दौरान रैली विभिन्न युद्ध स्मारकों पर पुष्पांजलि अर्पित करेगी।

पीआरओ ने बताया कि रैली के साथ 'आरोग्य रक्षक' चिकित्सा दल भी तैनात किए गए हैं, जो पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य जांच, निवारक देखभाल और आवश्यक दवाओं की सुविधा प्रदान करेंगे। वरिष्ठ पूर्व सैनिकों को रक्तचाप निगरानी मशीनें भी वितरित की जाएंगी, जिससे चिकित्सा देखभाल के प्रति सेना की निरंतर प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि ध्रुवा मोटरसाइकिल रैली भारतीय सेना के 'वर्दी से परे सेवा' के आदर्शों का सशक्त उदाहरण है, जो अतीत का सम्मान करती है, वर्तमान से जुड़ती है और पूर्व सैनिक समुदाय के साथ अटूट संबंधों को मजबूत करती है। इस अवसर पर उत्तरी सेना कमांडर ने मानद कैप्टन बाना सिंह और श्रीमती चिंता देवी को सम्मानित भी किया।

वरिष्ठ डीसीएम जम्मू को मिलेगा अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (डीसीएम) उचित सिंघल को वर्ष 2025 में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के सम्मान में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दिए जाने वाले 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' के लिए चुना गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुरस्कार समारोह 9 जनवरी को दिल्ली में आयोजित किया जाएगा जिसमें देश भर के विभिन्न रेलवे जोन और विभागों के 100

से अधिक उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार सिंघल को जम्मू डिवीजन में वाणिज्यिक और यात्री सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार और नवाचार लाने के लिए दिया जा रहा है।

पशु तस्करी प्रयास विफल, 10 मवेशी बचाए गए 2 वाहन जब्त

कठुआ 05 जनवरी (हि.स.)। जिले में मवेशी तस्करों पर शिकंजा कसते हुए कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में पुलिस स्टेशन बिलावर और पुलिस स्टेशन राजबाग क्षेत्र से कुल 10 मवेशियों को बचाया और 2 वाहन जब्त किए।

सबसे पहले बिलावर पुलिस स्टेशन के एसएचओ जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में बिलावर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने बेरल मोढ़ क्षेत्र में चेकिंग के दौरान लखनपुर से श्रीनगर जा रहे एक ट्रक नंबर जेके19ए-8184 को जांच के लिए रुकने का इशारा किया। वाहन की जाँच के दौरान वाहनों में बेरहमी से लादे गए कुल 5 मवेशी पाए गए जिन्हें बचाया गया और एक वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन बिलवार में एफआईआर संख्या 02/2026 धारा 223 बीएनएस, 11 पीसीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है। दूसरे मामले में राजबाग पुलिस स्टेशन के एसएचओ अजय सिंह चिब के नेतृत्व में और चडवाल पुलिस चौकी के प्रभारी की सहायता से राजबाग के राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक ट्रक नंबर जेके02बीजी-5373 को जांच के लिए रोका। वाहन की जाँच के दौरान उसमें बेरहमी से 5 मवेशी लादे हुए पाए गए जिन्हें बचा लिया गया और एक वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

पुलिस ने ठग को पकड़ा, हिरासत से रिहाई का झूठा वादा कर 5.4 लाख की धोखाधड़ी के लिए ई-एफआईआर दर्ज

शोपियां, 5 जनवरी (हि.स.)। शोपियन पुलिस ने एक ई-एफआईआर दर्ज कर एक ठग को गिरफ्तार किया है जिस पर स्थानीय निवासी से उसके भाई को पुलिस हिरासत से छुड़ाने का झूठा दावा करके 54 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

एक पुलिस ने एक बयान में कहा कि शोपियां पुलिस ने ज़ैनापोरा पुलिस स्टेशन में एक ठग को गिरफ्तार किया है जिसने एक व्यक्ति के भाई को पुलिस हिरासत से छुड़ाने का झूठा वादा करके उसे ठगा था। शोपियां पुलिस स्टेशन को 04/01/2026 को ज़ैनापोरा के हुम्हुना निवासी मोहम्मद मकबूल पर्राह के पुत्र आसिफ अहमद पर्राह की ओर से व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मुंडूरा, तराल निवासी गुलाम हसन भट के पुत्र सज्जाद अहमद भट नामक एक ठग ने उसके भाई को पुलिस हिरासत से छुड़ाने का झूठा आश्वासन देकर उससे 5,40,000 रुपये की धोखाधड़ी की।

गौरतलब है कि शिकायतकर्ता के भाई उमर मकबूल को ज़ैनापोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 108/2025 के संबंध में विधिवत गिरफ्तार किया गया था। परिस्थिति का लाभ उठाते हुए आरोपी ने झूठा दावा किया कि वह सरकारी कर्मचारी है और शिकायतकर्ता के भाई की रिहाई कराने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रभाव है। इसी झूठे बहाने से उसने शिकायतकर्ता को ठगा और धोखाधड़ी से उक्त राशि प्राप्त कर ली। शिकायत का संज्ञान लेते हुए शोपियां पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 319(2) के तहत ई.एफ.आर. संख्या 03/2026 दर्ज की।

जांच के दौरान आरोपी से अब तक 1.50 लाख बरामद किए गए हैं। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और शेष राशि की वसूली के प्रयास जारी हैं। मामले की आगे की जांच चल रही है। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और ऐसे व्यक्तियों से दूर रहने की सलाह दी है जो प्रभाव का झूठा दावा करते हैं या अवैध लाभ का वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी प्रयास की सूचना तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन को दी जानी चाहिए।

कठुआ पुलिस ने चोरी हुई कार की बरामद, भतीजा निकला चोर

कठुआ, 05 जनवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी हुई कार को बरामद कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शुभम पठानिया पुत्र जगदेव सिंह निवासी वार्ड 14 तारानगर कठुआ के रूप में हुई है, जिसने अपने ही ताया की कार चोरी की थी।

जानकारी के अनुसार बीते 21 दिसंबर को निधान सिंह निवासी वार्ड नंबर तीन कठुआ ने अपनी कार नंबर जेके08एम-9933 की चोरी होने की शिकायत कठुआ थाना में दर्ज करवाई थी। जिसपर कठुआ पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी और पड़ताल शुरू कर दी गई। कठुआ थाना प्रभारी संजीव चिब के नेतृत्व में पुलिस के एक दल ने तकनीकी मदद से गाड़ी को बरामद कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शुभम पठानिया नशे की लत में ग्रस्त है और नशे को पूरा करने के लिए उसने अपने ही ताया की गाड़ी को चुरा लिया था। वह गाड़ी को बेचने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। कठुआ में दिन प्रतिदिन युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं और अब नशे को पूरा करने के लिए युवा अपने ही घरों को निशाना बना रहे हैं। यह एक चिंता का विषय है और पुलिस प्रशासन को इस पर कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

तीन हिन्दू युवाओं की पिटाई पर भडके शिव सैनिक

जम्मू, 05 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के रजीव नगर ईलाके से सट्टी रोहिंग्या बस्ती में हिन्दू युवकों के साथ मारपीट पर शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी ने कडा सज्ञान लेते हुए इन युवाओं के साथ मारपीट करने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

साहनी ने बताया कि शान गोस्वामी, विनय और सुशांत गोस्वामी (पीड़ित हिन्दू युवक) के साथ रोहिंग्या कालौनी में मारपीट का समाचार मिलते ही वह आज सुबह मामले की पूरी जानकारी लेने के लिए युवकों के निवास सथान (गोस्वामी कालौनी) पहुंचे।

साहनी ने कहा कि युवकों ने बताया कि कल देर रात वह उक्त रोहिंग्या बस्ती से गुजरते हुए पानी की बोतल लेने के लिए एक दुकान पर रुके। वहा खड़े कुछ सदिंग्धों ने इनके माथे पर लगा टीके पर कुछ आपतिजनक टिप्पणी की। जिसपर एतराज जताने पर करीब 50-70 लोगों ने इनहे पीटना शुरू कर दिया।

तीनों युवक बहुत मुश्किल से जान बचाकर वहा से भागने में कामयाब हुए। हालांकि इनहे काफी चोटे आई है। शिव सैनिको के पहुचते ही संबधित थाना अधिकारी भी वहा पहुंचे। जिनहे पूरे मामले से अवगत करवाया गया। साहनी ने कहा कि पुलिस ने तत्काल व कड़ी कानूनी कार्रवाई का आशवासन दिया है। ?

साहनी ने जम्मू में अवैध रूप से डेरा डाले रोहिंग्या व बांग्लादेशियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि शरणार्थी बनकर आए हो मालिक बनने की जुर्रत न करों । साहनी ने पुलिस से इस कालौनी में रहने वालों के तत्काल सतयापन व इस कालौनी के दोनों तरफ खड़े अवैध खोखे-दुकानों की जांच व उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नशे में धुत युवक फ्लाईओवर से गिरा, गंभीर रूप से घायल

कठुआ, 05 जनवरी (हि.स.)। हीरानगर के फ्लाईओवर से एक युवक की गिरने की खबर सामने आई है। युवक की पहचान दर्शन कुमार पुत्र चुन्नीलाल निवासी रामबाण जम्मू कश्मीर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार युवक नशे की हालत में था और फ्लाईओवर पर बने डिवाइडर से टकराकर नीचे गिर गया। घायल को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हीरानगर थाना अधिकार क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग पठानकोट-जम्मू के समीप हीरानगर मोड पर फ्लाईओवर से सीधा नीचे गिर गया और गंभीर अवस्था में घायल हो गया। इस पूरी घटना की जानकारी हीरानगर पुलिस को दी गई जिसके बाद हीरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए हीरानगर उप जिला अस्पताल में ले जाया गया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (कै व् वै) फ़िरोज़पुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल प्रस्ताव इस निविदा के लिए मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन साधनो के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड व् क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर व् रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	बोली प्रणाली	निविदा अपलोड करने की तिथि/समय	बोली समाप्त दिनांक/समय	बोली खुलने की दिनांक/समय
खुला	एकल पैकेट प्रणाली	05.01.2026 समय 15:00 बजे	27.01.2026 समय 15:00 बजे	27.01.2026 समय 15:05 बजे

क्र.सं.	निविदा सं.	निविदा का विवरण
1	01-Comp-pipeline -ASR-2026	कोचिंग डिपो अमृतसर में सीमलेस माइल्ड स्टील प्रेशर पाइपलाइन की आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग का कार्य।

विज्ञापित मूल्य	निविदा पत्र का मूल्य	धरोहर राशि	वैधता अवधि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
Rs. 19,79,250/-	0.00	39600	30 Days	02 महीने

कार्य की विस्तृत जानकारी के लिए **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें।

42/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू-कश्मीर संत समाज न्यास की बाबा श्री कृष्ण गिरि समाधि, जम्मू में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक की

जम्मू, 05 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर संत समाज न्यास की एक महत्वपूर्ण बैठक बाबा श्री कृष्ण गिरि समाधि में महंत श्री शांति गिरि जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस बैठक के समग्र समन्वय और आयोजन में महंत राजेश बिट्टू ने केंद्रीय और अग्रणी भूमिका निभाई।

बैठक में क्षेत्र भर के संतों और धार्मिक संस्थानों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। संगठन के महासचिव के रूप में महंत राजेश बिट्टू जी ने सक्रिय रूप से चर्चाओं का मार्गदर्शन किया और व्यावहारिक और स्थायी समाधान खोजने के लिए प्रशासन के साथ संरचित संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। जम्मू, उधमपुर और कठुआ जिलों के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे और उन्होंने चर्चाओं में भाग लिया तथा संत समाज से संबंधित मामलों में सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान कठुआ के महंत मोहन गिरि को संत समाज द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में प्रशासन को औपचारिक अभ्यावेदन और ज्ञापन प्रस्तुत करने की पहल का नेतृत्व करने का दायित्व सौंपा गया। इसके अतिरिक्त संबंधित क्षेत्रों में स्थानीय चिंताओं को दूर करने के लिए दो से तीन स्वतंत्र समितियों का गठन किया गया।

हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने केजीएफ 11 टीम को 8 विकेट से हराया, सेमीफाइनल में पहुंची

कठुआ, 05 जनवरी (हि.स.)। 14वीं पुलिस शहीद स्मारक उत्तर क्षेत्र टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2025-26 के नॉकआउट प्रारूप के तहत चल रहे मैचों का तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में सोमवार को खेला गया।

तीसरे क्वार्टर फाइनल का मैच केजीएफ 11 और हरियाणा क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। केजीएफ 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केजीएफ 11 ने 20 ओवरों में 95 रन बनाए और ऑल आउट हो गई। इस पारी में राघव ने 19 गेंदों में 1 चैके और 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाए जबकि आकाश तोमर ने 22 गेंदों में 2 चैकों की मदद से 15 रन बनाए। 95 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने आसानी से 9.4 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 95 रन बना लिए।

इस दौरान अश्वनी चिल्लर ने 23 गेंदों में 3 चैकों और 3 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि आर्यन ने 21 गेंदों में 3 चैकों और 1 छक्के की मदद से 28 रन बनाए। इस प्रकार हरियाणा सीए टीम ने नॉकआउट प्रारूप का यह मैच 8 विकेट से जीता और सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी जबकि अश्वनी चिल्लर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया जिन्होंने 23 गेंदों में 3 चैकों और 3 छक्कों की मदद से 41 रन बनाए।

संपादकीय

सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

अंगूठे का नियम यह होना चाहिए कि सुविधा कभी भी सुरक्षा से ज़्यादा महत्वपूर्ण न हो, खासकर जब मामला आसमान में यात्रा करने वाले यात्रियों की जान से जुड़ा हो।

इस संदर्भ में, यह बहुत ज़रूरी हो गया है कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन की नवीनतम एडवाइज़री, जिसमें उड़ानों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज करने के लिए पावर बैंक के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है, उसे अक्षरशः लागू किया जाए, क्योंकि यह जीवन और मृत्यु का मामला है, और सभी के लिए जीवन चुनना ही एकमात्र विकल्प है।

कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि DGCA यह सुनिश्चित करने के लिए लगन से काम कर रहा है कि जो लोग तेज़ी और सुविधा के साथ अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए हवाई यात्रा करना पसंद करते हैं, उनके लिए आसमान सुरक्षित रहे, और नागरिक उड्डयन के लिए इस प्राथमिक नियामक निकाय के रुख पर सवाल उठाना, जो सुरक्षा सुनिश्चित करने, मानक तय करने और भारत के भीतर हवाई परिवहन सेवाओं को विनियमित करने, जिसमें पायलट लाइसेंस जारी करना और हवाई योग्यता और हवाई सुरक्षा की देखरेख करना शामिल है, बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है, क्योंकि यह केवल हवाई यात्रा को विश्वसनीय और आरामदायक बनाने के लिए समय पर और आवश्यक हस्तक्षेप का समर्थन करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि पावर बैंक के उपयोग पर नवीनतम एडवाइज़री सभी बातों पर गहराई से विचार करने के बाद जारी की गई है, क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार यह निर्णय दुनिया भर में कई घटनाओं के बाद लिया गया है, जहाँ लिथियम बैटरी ज्यादा गरम हो गई या विमान में आग लग गई, जिससे यात्रियों और चालक दल को खतरा हुआ। कोई भी इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता कि सर्वव्यापी और कुशल होने के बावजूद, लिथियम-आयन बैटरी जोखिम भरी और अप्रत्याशित होती हैं, खासकर जब वे ज़्यादा गरम हो जाती हैं या उन्हें ठीक से संभाला नहीं जाता है, इसलिए सभी के लिए छत्रष्ट द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना आवश्यक है, खासकर हवा में पावर बैंक के उपयोग के संबंध में।

चूंकि ऑपरेशनल उड़ानों में कोई भी आग की घटना बढ़ सकती है, यात्रियों और चालक दल के जीवन को खतरे में डाल सकती है, और विमान को भी नष्ट कर सकती है, इसलिए बिना किसी रुकावट या बाधा के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है। DGCA ने सही कदम उठाया है कि पावर बैंक केवल हैंड बैगेज में ले जाए जाएं, पूरी उड़ान के दौरान उनके उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाए, और उन्हें ओवरहेड डिब्बे में रखने की अनुमति न दी जाए। यह हमेशा ज़रूरी है कि हवाई यात्रा करने वाले लोग विमानन नियामक द्वारा जारी एडवाइज़री का बिना किसी असफलता के पालन करें, क्योंकि ये सभी की सुरक्षा और सुविधा के लिए हैं।

इस बात की सख्त ज़रूरत है कि एयरलाइन उद्योग के सभी हितधारक नई एडवाइज़री को बहुत गंभीरता से लें और यह सुनिश्चित करें कि संबंधित लोग हवाई यात्रा को विमानों की शुरुआत से ही सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए सभी कदम उठाएं। जागरूकता और सहयोग इस पूरी चीज़ में बहुत बड़ा फर्क ला सकते हैं और इसलिए छत्रष्ट के सुझाव के अनुसार पावर बैंक को हैंडल करने से बोर्ड पर लोगों की जान बचाई जा सकती है। कुल मिलाकर, आज ट्रैवल एटिकेट्स में सेफ्टी कॉन्शसनेस शामिल होनी चाहिए।

वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा की गई 'इमिग्रेंट वेलफेयर रिसिपिएंट रेट्स' की सूची ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारतीय समुदाय की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर साख को उजागर कर दिया है। 120 देशों के नामों वाली इस सूची में भारत का नाम न होना बता रहा है कि दशकों की मेहनत, शिक्षा, अनुशासन और योगदान का ये सुखद परिणाम है। यह तथ्य आज हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है! यह दर्शाता है कि अमेरिका जैसे देश की अर्थव्यवस्था में भारतीय समुदाय बोझ नहीं है, वह यहाँ की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है।

कहना होगा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासियों की पहचान हमेशा मेहनती, शिक्षित और आत्मनिर्भर समुदाय के रूप में रही है। ट्रंप द्वारा जारी ये सूची भले ही राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, किंतु आज सभी के समक्ष एक अनकहा सत्य सामने रख देती है कि भारतीय समुदाय अमेरिका की सरकारी मदद पर निर्भर नहीं है। इसके उलट वे टैक्स देने वाले, नौकरियां पैदा करने वाले और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले नागरिक हैं। जब पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अमेरिकी वेलफेयर सिस्टम पर निर्भर दिखता है, तब भारत का इस सूची से बाहर होना भारतीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर क्षमता का प्रमाण बन सामने आता है।

प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े जो इस संदर्भ में सभी के सामने आए हैं, ये बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकियों की औसत वार्षिक घरेलू आय लगभग 1,51,200 डॉलर है, जोकि अमेरिका के किसी भी अन्य जातीय या प्रवासी समूह से अधिक है। यह आंकड़ा उस मानसिकता को दर्शाता है जो शिक्षा, कौशल और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देती है। भारतीय परिवारों में शिक्षा को सबसे बड़ा निवेश माना जाता है। यही कारण है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका में डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, टेक लीडर और बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ के रूप में नजर आते हैं।

भारतीय समुदाय की यह आर्थिक सफलता अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है। उच्च आय का मतलब है अधिक टैक्स योगदान, अधिक उपभोग और अधिक निवेश। सिलिकॉन वैली से लेकर वॉल स्ट्रीट तक भारतीय पेशेवरों ने टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, फाइनेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों, चाहे वे टेक सेक्टर की हों या कंज्यूमर इंडस्ट्री, उनके शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग बैठे हैं। ये लोग यहाँ कंपनियों को मुनाफा दिलाते हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए रोजगार भी पैदा करते हैं।

इसके विपरीत, ट्रंप की सूची में शामिल देशों के आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। बांग्लादेश के करीब 54.8 प्रतिशत प्रवासी परिवारों का अमेरिकी वेलफेयर पर निर्भर होना, पाकिस्तान के 40.2 प्रतिशत और नेपाल के 34.8 प्रतिशत परिवारों का सरकारी सहायता लेना, चीन (32.9 प्रतिशत), इजरायल/फिलिस्तीन (25.9 प्रतिशत), यूक्रेन (42.7 प्रतिशत) और एशिया (कहीं और वर्गीकृत या निर्दिष्ट नहीं) के 38.8 प्रतिशत प्रवासियों को आज अमेरिकी सहायता मिल रही है। वस्तुतः यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर इन समुदायों पर अमेरिकी खजाने का दबाव आखिर अधिक क्यों है!

इस अंतर का कारण जो सीधे तौर पर समझ आता है वो भारतीयों का वर्क कल्चर और सामाजिक मूल्य हैं। भारतीय प्रवासी आमतौर पर अमेरिका में पढ़ाई या उच्च कौशल वाली नौकरियों के जरिए प्रवेश करते हैं। वे शॉर्टकट या सिस्टम के दुरुपयोग के बजाय लंबी मेहनत में विश्वास रखते हैं। परिवार केंद्रित सोच, बचत की आदत और शिक्षा पर जोर उन्हें जल्दी आत्मनिर्भर बना देता है। यही वजह है कि भारतीय समुदाय में सरकारी सहायता लेने की जरूरत न्यूनतम रहती है।

यहां ध्यातव्य यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से अवैध इमिग्रेशन और वेलफेयर सिस्टम के दुरुपयोग के खिलाफ बयान देते रहे हैं। ऐसे में भारत का नाम इस सूची में न होना एक तरह से यह संदेश देता है कि अगर कोई प्रवासी समुदाय अमेरिकी समाज में घुल-मिलकर योगदान दे रहा है तो वह भारतीय है। भले ही ट्रंप ने सीधे तौर पर

> **कहना होगा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासियों की पहचान हमेशा मेहनती, शिक्षित और आत्मनिर्भर समुदाय के रूप में रही है। ट्रंप द्वारा जारी ये सूची भले ही राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, किंतु आज सभी के समक्ष एक अनकहा सत्य सामने रख देती है कि भारतीय समुदाय अमेरिका की सरकारी मदद पर निर्भर नहीं है। इसके उलट वे टैक्स देने वाले, नौकरियां पैदा करने वाले और नवाचार को आगे बढ़ाने वाले नागरिक हैं। जब पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों का बड़ा हिस्सा अमेरिकी वेलफेयर सिस्टम पर निर्भर दिखता है, तब भारत का इस सूची से बाहर होना भारतीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पेशेवर क्षमता का प्रमाण बन सामने आता है।**

भारतीयों की तारीफ न की हो किंतु आंकड़े खुद बोलते हैं। यह एक अनजानी प्रशंसा है जो खुलकर बता रही है कि अमेरिका में भारतीय 卐लेने वाले卐 नहीं, बल्कि 卐देने वाले卐 समुदाय के रूप में स्थापित हैं।आज भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका की कुल एशियाई आबादी का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा है और दूसरा सबसे बड़ा एशियाई समूह है। संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी यह समुदाय आगे है। रिसर्च, इनोवेशन, मेडिकल एडवांसमेंट और टेक्नोलॉजिकल ग्रोथ में भारतीयों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट के दौरान भी भारतीय मूल के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और हेल्थकेयर वर्कर्स ने फ्रंटलाइन पर रहकर अमेरिका को संभाला है।

वस्तुतः भारत का नाम ट्रंप की 'वेलफेयर लिस्ट' में न होना आज ये बता रहा है कि यहाँ भारतीय उस सॉफ्ट पावर का संकेत हैं जोकि सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि इस देश के लिए भी मूल्य जोड़ते हैं। इसलिए ही आज अमेरिका की अर्थव्यवस्था जिन मजबूत स्तंभों पर टिकी है, उनमें भारतीय समुदाय एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। टैक्सपेयर्स, इनोवेटर्स, लीडर्स और प्रोफेशनल्स के रूप में भारतीयों ने यह साबित कर दिया है कि वे बोझ नहीं अमेरिकन अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ट्रंप की सूची ने भले ही राजनीतिक बहस को जन्म दिया हो, पर भारतीयों के लिए यह एक शांत, लेकिन मजबूत प्रमाण है, इस बात का कि मेहनत, शिक्षा और ईमानदारी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भी अपनी सफलतम जगह बनाई जा सकती है।

(लेखक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं)

यमुना बची तो दिल्ली भी बच जाएगी

मनोज कुमार मिश्र

विकास के नाम देश की राजधानी के विनाश के एक प्रयास पर उच्चतम न्यायालय ने अपने ही फैसले को पलटकर रोक लगा दी।

इस फैसले से अब दिल्ली को कुछ हरा-भरा रखने में अपनी भूमिका निभाने वाली अरावली पर्वतमाला के खनन पर पूरी तरह से रोक लगी रहेगी। दिल्ली के पास अपना कुछ भी नहीं है। पहाड़ों पर ठंडी बढ़ती है तो दिल्ली ठिठुरने लगती है और राजस्थान के रेगिस्तान तपते हैं तो दिल्ली तपती है। दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की आबादी भी अपनी नहीं है। देश भर से लोग रोजगार और कारोबार आदि के लिए दिल्ली आकर बसते रहे हैं। दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही।

उसमें यमुना नदी और दिल्ली के असंख्य तालाब, नहर और बावड़ी इत्यादि को तो विकास के विनाशकारी मॉडल ने बर्बाद कर दिया।

अगर भविष्य में भी अरावली पर्वतमाला न बच पाई को दिल्ली में प्रदूषण और जल संकट ही नहीं दिल्ली को उजड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। मौजूदा केन्द्र और दिल्ली की सरकार यमुना बचाने का संकल्प दुहराती रही है। इस दिशा में प्रयास तो दिख रहे हैं, सभी को नतीजों का इंतजार है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद अनुपम मिश्र ने अपनी चर्चित पुस्तक-आज भी खरे हैं तालाब, के संदर्भ ग्रंथों के हवाले से बताया है कि दिल्ली के 1930 के दुर्लभ नक्शे में उस समय तालाब और कुओं की गिनती करीब 350 की संख्या छूती थी। उससे भी पहले यह संख्या हजार में थी। आज दिल्ली में गिनती के तालाब बचे हैं। दिल्ली में राज करने वाली सरकारें पुराने तालाबों, झीलों, बावड़ियों और नहरों इत्यादि को पुनर्जीवित करने का दिखावा सा करती है। यह इसलिए भी आसान नहीं लगता क्योंकि ज्यादातर तालाब, झील आदि पर अवैध कालोनियां बस चुकी हैं।

यह सार्वजनिक तथ्य है कि दिल्ली महानगर अपनी जरूरत का केवल 15 फीसदी पानी अपने श्रोत से नहीं जुटा पाता। पानी के लिए पूरी तरह से गंगा और यमुना नदी पर दिल्ली निर्भर है।

दिल्ली में 1993 में विधानसभा बनने के बाद बनी पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने अनशन करके यमुना के पानी में राज्यों की तरह हिस्सा लिया था। गंगा नदी से तय पानी आ ही रहा है। यमुना जल समझौता होने के समय दिल्ली में पानी की मांग छह सौ एमजीडी (मिलियन गैलन रोजाना) थी। आज यह मांग करीब 1300 एमजीडी है। पानी की उपलब्धता करीब 800 एमजीडी है। यह भी तब जब काफी इलाकों में पानी की लाइन नहीं है और लोग टैंकरो से बड़ी कठिनाई से पानी ले पाते हैं। यमुना साफ करके दिल्ली का अपना जलाशय बनाना तो सपना है। यमुना को साफ करने के शुरुआती प्रयास में बड़े नालों को साफ करना और इंटरसेप्टर प्लान से जोड़ने का प्रयास हुआ।

अब दिल्ली में खेती की जमीन केवल बाहरी दिल्ली यानी हरियाणा के सीमा से लगे गांवों में है। उन इलाकों में भी तेजी से अतिक्रमण हो रहा है। कांग्रेस सरकार में 56 किलोमीटर नजफगढ़ नाले को ढांसा से ककरौला तक तीस किलोमीटर ज्यादा गहरा करके उसमें बरसाती पानी इकट्ठा करने का प्रयास किया गया। यह नाला ढांसा से शुरू होकर वजीराबाद में यमुना में गिरता है।

शुरुआती प्रयास से ढांसा के आसपास के आठ किलोमीटर इलाके में धान की फसल अच्छी हुई। इससे जुड़ने वाली तीन नहरें- पालम, मूंगेशपुर और छुटानी-भूपानी में पानी छोड़ने से 60 से70 गांवों को पानी दिया दया। अगर इसकी 10 फीट गहरी खुदाई हो जाए तो पूरे नजफगढ़ इलाके के सारे गांवों को पानी मिलने लगेगा। दिल्ली में सिंचाई के लिए शेरशाह सूरी ने अपने समय में पश्चिमी यमुना नहर बनवाई थी। उसी ने कृषि में राजस्व प्रणाली की शुरुआत की। उस नहर से दो उप नहर निकाली गई, जिनसे उत्तर पश्चिम दिल्ली में अलीपुर और कंझावला विकास खंड के 125 गांवों में सिंचाई होती थी। राजधानी का शहरीकरण होने के बाद सिंचाई का रकबा घटता गया। अब अलीपुर और कंझावला में ही करीब बीस गांवों में खेती होती है।

दिल्ली 1911 में देश की राजधानी बनी। तब दिल्ली में 365 गांव थे। ढाका धीरपुर में जार्ज पंचम का दरबार लगा। वहीं दिल्ली को राजधानी बनाने की घोषणा हुई।

1912 में पुराना सचिवालय बना तो चंद्रावल गांव खत्म हो गया। सरकारी कर्मचारियों के लिए तीमारपुर गांव की जमीन पर कालोनी बनी। 1947 में देश का बंटवारा हुआ और शाहजहानाबाद (दिल्ली का पुराना नाम जो चारदीवारी से घिरा हुआ था) ने देहात को निगलना शुरू किया। सरकार ने तो एक योजना बनाकर लोगों को बसाया लेकिन उससे ज्यादा को भू-माफिया और पुलिस- प्रशासन की मिलीभगत से अवैध कालोनियां बसी। वोट की राजनीति में ऐसे लोगों को विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं का संरक्षण मिलता रहा। इन अवैध निर्माण से उन्हें वोट और नोट दोनों ही मिलते रहे हैं। कई भू -माफिया तो सरकारी जमीन कौन कहे ऐतिहासिक धरोहरों पर कब्जा करके उसपर कालोनी बसा दी। कई माफिया को पैसे के बल पर विभिन्न दलों से टिकट पाकर लोकसभा और विधानसभा में पहुंच गए। अब कहने भर के 200 गांव बचे हैं, लेकिन तालाब गायब हो गए। 1993 में ग्राम पंचायतों के आखिरी चुनाव के समय 199 पंचायतें थी। अस्सी के दशक तक

> **दिल्ली में 1993 में विधानसभा बनने के बाद बनी पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने अनशन करके यमुना के पानी में राज्यों की तरह हिस्सा लिया था। गंगा नदी से तय पानी आ ही रहा है। यमुना जल समझौता होने के समय दिल्ली में पानी की मांग छह सौ एमजीडी (मिलियन गैलन रोजाना) थी। आज यह मांग करीब 1300 एमजीडी है। पानी की उपलब्धता करीब 800 एमजीडी है। यह भी तब जब काफी इलाकों में पानी की लाइन नहीं है और लोग टैंकरो से बड़ी कठिनाई से पानी ले पाते हैं। यमुना साफ करके दिल्ली का अपना जलाशय बनाना तो सपना है। यमुना को साफ करने के शुरुआती प्रयास में बड़े नालों को साफ करना और इंटरसेप्टर प्लान से जोड़ने का प्रयास हुआ।**

दिल्ली में छह हजार निजी और 250 सरकारी ट्यूबवैल थे। नजफगढ़ और महरौली इलाके में रहट (कुओं से ऊंट, बैल आदि के माध्यम से पानी निकालना), चरस (आदमी खींचते थे।) और कच्चे कुएं से भी सिंचाई की जाती थी।दिल्ली को भौगोलिक हिसाब से तीन क्षेत्रों में बांटा जाता है। मेहरौली यानी दक्षिणी दिल्ली में पहाड़ी इलाकों को पहाड़, नजफगढ़ यानी पश्चिमी दिल्ली को डाबर और यमुना दी तलहटी यानी उत्तर पश्चिम दिल्ली को बांगड़। नजफगढ़ इलाके का आकार झील जैसा था इसलिए इसके मूल स्वरूप को बचाने के लिए नजफगढ़ नाला बनाया गया। उसके साथ हरियाणा से लगे गांवों में सिंचाई के लिए छुटानी -भूपानी नाला, बवाना इलाके के लिए मूंगेशपुर नाला और पालम इलाके के लिए पालम नाला बनाया गया। इसमें बस्ती का गंदा पानी नहीं जाता था केवल बाढ़ का पानी जाता था। बाद में सारी व्यवस्था अतिक्रमण के सिरे चढ़ती गई।

दिल्ली में कांग्रेस की सरकार में विकास मंत्री रहे डॉक्टर योगानंद शास्त्री ने तब 70 बड़े तालाबों के स्थान को चिह्नित करके उसे विकसित करने का प्रयास किया था। तभी भलस्वा झील और संजय झील से अतिक्रमण हटाने के प्रयास हुए। उसके बाद भी बरसाती पानी बेकार न चला जाए इसके लिए प्रयास तो किए गए लेकिन न तो अतिक्रमण हटाए गए और न ही नए स्थानों पर होने वाले अतिक्रमण को रोका गया। परिणाम यही हुआ कि दिल्ली के पानी के स्रोत समाप्त होते गए। आबादी बढ़ने से पानी की जरूरत बढ़ती गई और दिल्ली अपने संसाधन से प्रयाप्त पानी नहीं जुटा पाती है। इसलिए दिल्ली पानी के लिए भी पड़ोसी राज्यों पर पूरी तरह से निर्भर हो गई है। सभी को पता है कि पानी का संकट उन राज्यों में भी उतना ही है जिनसे दिल्ली को पानी मिल रहा है। भले ही यह इतिहास में दर्ज हो गया लेकिन यह तो सत्य है कि चांदनी चौक की मुख्य सड़क मुगल काल में नहर थी और उसके एक सिरे पर बने लाल किला की दीवार से लग कर यमुना नदी बहती थी। यमुना नदी बची तो दिल्ली पानी और पर्यावरण दोनों मामलों में काफी बच जाएगी लेकिन अगर युद्धस्तर से दिल्ली अपना जल स्रोत नहीं विकसित कर पाई तो उसका संकट बढ़ता ही जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने एक संकट से फिलहाल दिल्ली को उबारा लेकिन पानी के मोर्चे पर सरकारों की कठिन परीक्षा होनी है। उन्हें अपनी प्राथमिकता और विकास की परिभाषा तय करनी होगी।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

पेट्रो डॉलर के लिए ट्रंप की एक और सनकभरी कार्रवाई

डॉ. प्रभात ओझा

वेनेजुएला पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' नाम दिया गया। हिन्दी में जो अर्थ निकलते हैं, उनमें किसी समस्या का पूर्ण रूप से समाधान निकलना अथवा 'पूर्ण संकल्प' भी शामिल हैं। यहां आमतौर पर दूसरा अर्थ लिया गया है। कहा जा रहा है कि अमेरिका ने जो तय किया था, उसने कर दिखाया। वैसे पहले अर्थ की व्याप्ति और अधिक है। यह किसी समस्या का समाधान कर लेने में व्यक्त किया जाता है। बहरहाल, दोनों ही अर्थ एक ही तरह के संकेत करते हैं। वैसे, प्रारम्भिक तौर पर तो यही लगता है कि यह अभी शुरुआत है, समाधान नहीं। अमेरिका का यह कदम न सिर्फ वेनेजुएला के लिए, बल्कि शांति और लोकतंत्र के समर्थक देशों के खिलाफ जाने वाला है। ऐसा मानने के आधार भी हैं। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसे किसी देश की संप्रभुता पर हमले की तरह देखा गया है, बल्कि इसलिए भी कि स्वयं अमेरिका के अंदर भी इस पर विरोध के स्वर उभरे हैं। रॉबर्ट प्रीवोस्ट पीटर के पूर्व नाम वाले पोप लियो 14वें इस आसन पर आने वाले पहले अमेरिकी मूल के संत हैं। उन्होंने भी वेनेजुएला की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस देश की संप्रभुता सुनिश्चित किए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून, मानव और नागरिक कानूनों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ा जाना चाहिए। इसी तरह की प्रतिक्रिया कई देशों ने भी दी है। हालांकि, भले यह सामान्य सा बयान लगता है, बहुत दूर तक जा सकता है। अमेरिका के अंदर ही न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मामदानी की प्रतिक्रिया काबिल-ए-गौर है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क लाने की जानकारी देते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी 'किसी संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला' है। यह युद्ध का कृत्य है और संघीय तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर देश-विदेश की किसी प्रतिक्रिया का असर नहीं हो रहा है। अमेरिकी संविधान और परंपरा से मिले असीमित अधिकारों के तहत उन्होंने यह कार्रवाई की है। भविष्य तय करेगा कि अमरीकी संसद इस पर मुहर लगाती है अथवा नहीं। अभी एक बात साफ है कि अमेरिका के इस एक्शन से क्षेत्रीय असंतुलन को न सिर्फ बढ़ावा मिलेगा, वरन प्रतिगामी शक्तियों को एक और केंद्र मिल जाएगा। अनुभव यही बताते हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि इसमें राष्ट्रपति ट्रंप के अपने व्यक्तिगत हित भी हैं। दुनिया जानती है कि वे राजनेता से पहले व्यवसायी भी हैं। ट्रंप के पीछे हथियार बनाने वाली कंपनियां मुस्तैदी के साथ खड़ी हैं। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने इन कंपनियों को दुनिया भर में व्यवसाय करने में मदद ही की है। अशांत वेनेजुएला भी इसमें शामिल हो जाएगा। व्यक्ति से अलग ट्रंप को राष्ट्रपति के तौर पर भी देखने से भी नहीं लगता कि अमेरिका को अथवा शेष विश्व को इस कार्रवाई से कोई फायदा मिलने वाला है। अनुभव यही हैं कि अफगानिस्तान से अमेरिका को वापस लौटना पड़ा। हजारों अमेरिका सैनिक मारे गये, करीब दो ट्रिलियन डॉलर स्वाह हो गये और परिणाम के तौर पर जिन तालीबानी को नष्ट करने के नाम पर अमेरिका घुसा था, वहां वे ही तालिबानी सत्ता में वापस आ गए। कथित रूप से अफगानिस्तान में लोकतंत्र मजबूत करने का दावा धूल-धूसरित हो गया। इराक में भी सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने और फांसी देने के बावजूद देश शांति के रास्ते पर नहीं आ सका। वहां से करीब 30 लाख लोग विस्थापित हुए और इराक पर आतंकवादी संगठनों का कब्जा हो गया। लीबिया में कर्नल गद्दाफी के साथ यही हुआ। उन्होंने अमेरिका अर्थव्यवस्था के साथ चलने से इनकार कर दिया था। उनकी हत्या कर दी गई। सीरिया में भी आतंकवादियों के सफाये के नाम पर अमेरिका की कार्रवाई की किरकिरी हुई। वहां जो अहमद अल शारा राष्ट्रपति बने, उन पर खुद अमेरिका ने इनाम घोषित किया था। अभी दो महीने पहले जब शारा अमेरिका यात्रा पर पहुंचे, उसके ठीक पहले अमेरिका प्रशासन ने उनका नाम आतंकवादियों की सूची से बाहर निकाला। गाजा का उदाहरण भी सामने है, जहां कई लाख लोग मारे गए और 21 लाख लोग बेघर बना दिये गए। और उधर, अमेरिका राष्ट्रपति इजराइल में नेतन्याहू के साथ दावत कर रहे थे। इन सभी उदाहरण में गौर से देखें, तो अमेरिका में इन देशों पर कार्रवाई के समय जो भी सत्तारूढ़ हो, कारण सिर्फ एक है। ये सभी तेल उत्पादक देश हैं अथवा किसी ना किसी रूप में उनसे जुड़े हैं और उन्होंने डॉलर की जगह दूसरी मुद्रा में व्यापार करना शुरू किया था। अमेरिका के हक में जिस पेट्रो डॉलर अर्थव्यवस्था की बात की जाती है, वह इससे प्रभावित हुई। इससे वह बौखला उठा। करीब 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार वाला वेनेजुएला उसे चीनी युआन में बेच रहा था, अमेरिका डॉलर में नहीं। वर्ष 2018 से उसने युआन के साथ यूरो और रूबल में तेल का भुगतान लेना शुरू कर दिया। उधर, 1974 में ही अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति हेनरी किसिंजर ने सऊदी अरब के साथ समझौता किया कि दुनिया भर में बिकने वाले तेल की कीमत अमेरिकी डॉलर में तय किया जाएगा। इस एक समझौते से दुनिया भर में डॉलर की मांग बढ़ गई। उसी के बाद 2000 में सद्दाम हुसैन के तेल को डॉलर की बजाय यूरो में बेचना अमरीका को नागवार गुजरा। 2003 में वहां आक्रमण हुआ। शासन बदला और फिर इराक का तेल डॉलर में बेचा जाने लगा। 2009 में लीबिया वाले गद्दाफी ने सोना आधारित अफ्रीकी मुद्रा 'गोल्ड दीनार' का प्रस्ताव रखा। हिलेरी क्लिंटन के लीक ई-मेल से स्पष्ट हुआ कि लीबिया में दखलंदाजी का कारण भी यही बना था। 2011 में लीबिया पर बमबारी और गद्दाफी की हत्या हुई। वहां अब बाजार पर कोई रोक नहीं है। गोल्ड दीनार का भी कोई नामलेवा नहीं है। अब वेनेजुएला के मादुरो भी यही कर रहे थे। वे ब्रिक्स में भी शामिल होना चाहते थे। स्पष्ट है कि पेट्रो डॉलर को चुनौती देने वाला किसी न किसी तरह से हटा दिया जाता है सच यह है कि वेनेजुएला भी इसी पेट्रो डॉलर आधारित व्यवसाय से अलग चलने लगा था। मादुरो के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति शावेज के समय पृष्ठभूमि तब बनी, जब उन्होंने अपने यहां तेल उत्पादक कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इससे अमेरिका हित प्रभावित होना शुरू हो गया। मादुरो ने अगले कदम भी उठाए। इस पर उन्हें ड्रग माफियाओं का लीडर बताकर घेरना शुरू हुआ। अमेरिका ड्रग खपत वाला बड़ा केंद्र है। वहां की कंपनियां बाहर से कच्चा माल लाती हैं। अमेरिका के लिए वेनेजुएला से तेल लेना सहज नहीं रहा। उधर अफीम, कोकीन और हेरोइन जैसे मादक पदार्थ अमेरिका लाने वाली कंपनियां भी बेहाल थीं। वैसे वेनेजुएला पर ड्रग माफिया होने के आरोप इस तरह भी कमतर से लगते हैं कि वहां से इन पदार्थों का अमेरिका को सप्लाई उसकी जरूरत का सिर्फ ए फीसद आंका गया है। प्रश्न बना रहेगा कि वेनेजुएला के खिलाफ नार्को टेररिज्म के प्रमाण थे तो अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में क्यों नहीं रखा। वह खुद ही जज क्यों बन जाता है। बहरहाल, अमेरिका पूरी तरह से वेनेजुएला का शासन अपने हाथों में लेने जा रहा है। सबसे पहले नजर तेल पर है। आगे की राह उसके पिछले अनुभवों जैसी ही हो, तो कुछ अलग नहीं होगा। तब तक एक और देश बहुत तबाह हो चुका होगा।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची भारतीय महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा

एजेंसी

मथुरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने वृंदावन पहुंचकर प्रख्यात संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मुलाकात के दौरान महाराज ने खेलों के महत्व और खिलाड़ी के जीवन में अभ्यास की भूमिका पर गहराई से चर्चा की।

इस मुलाकात के दौरान दीप्ति शर्मा भक्ति भाव में डूबी नजर आईं और उन्होंने महाराज जी की बातों को एकाग्रता से सुना। सोशल मीडिया पर इस मुलाकात का वीडियो रविवार तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक वैश्विक खिलाड़ी और एक आध्यात्मिक संत के बीच का यह संवाद युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है। गौरतलब हो कि जब प्रेमानंद महाराज जी के शिष्य नवल नागरी ने दीप्ति शर्मा का परिचय कराते हुए बताया कि भारत ने विश्व

चैंपियनशिप जीती है, तो महाराज जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण बताया। महाराज जी ने कहा, 'कहने को तो यह मात्र एक खेल है, लेकिन एक खिलाड़ी की जीत से पूरे भारत को सुख मिलता है।' उन्होंने आगे कहा कि जब भारतीय खिलाड़ी जीतता है, तो पूरा देश गौरवान्वित महसूस करता है। दूसरों को प्रसन्नता देना भी एक प्रकार का बड़ा परोपकार है। दीप्ति शर्मा को सफलता का मंत्र देते हुए प्रेमानंद महाराज ने 'अभ्यास' की निरंतरता पर जोर दिया। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि अक्सर खिलाड़ी जीत मिलने के बाद अभ्यास में ढिलाई बरतने लगते हैं और मनोरंजन में समय व्यतीत करने लगते हैं, जिससे उनकी उन्नति रुक जाती है। उन्होंने उपदेश दिया कि 'जीतने के बाद और अधिक सावधान हो जाना चाहिए। नित्य अभ्यास और दृढ़ता ही वह मार्ग है, जिससे खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ सकता है '। महाराज जी ने खिलाड़ी को सलाह दी कि खेल के कौशल के साथ-साथ भगवान का चिंतन भी आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभ्यास ही वह एकमात्र साधन है जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति प्रवीण बन सकता है।

भारतीय टीम के ट्रायल में 15 निशानेबाज चयनित

एजेंसी

प्रयागराज। दिल्ली और भोपाल में 16 दिसम्बर से 4 जनवरी तक आयोजित हुई 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के 15 प्रशिक्षुओं ने भारतीय निशानेबाजी टीम के ट्रायल के लिये क्वालीफाई कर लिया है। अकादमी के पिस्टल कोच विजय चंदेल व राइफल कोच फरीद सिद्दीकी ने बताया कि 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में ईगल आई अकादमी के 48 निशानेबाजों ने प्रतिभाग किया था। जिसमें अनुशासन, सटीक निशाना और निरन्तरता के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर देवांश प्रताप, शुभ यादव, अम्बर गुप्ता, ईशिता फोगाट, आयुश गिरी, मीनाक्षी पाण्डेय, यश द्विवेदी, खदीजा बानो, खुशबू राजपूत, आर्यन यादव, सोनिया, कुशाग्र पाण्डेय, किशन, श्रेयशी आर्या, और परिष्कृत ने 10 से 16 जनवरी तक दिल्ली और पुणे में आयोजित होने वाले भारतीय निशानेबाजी टीम के ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया है। दोनों कोच ने इस सफलता का श्रेय खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को दिया। इस उपलब्धि से ने केवल अकादमी बल्कि पूरे प्रदेश एवं जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है। खिलाड़ियों की इस सफलता से भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: नीलामी में बने नए कीर्तिमान, 63 पहलवानों पर खर्च हुई 11 करोड़ से अधिक की रकम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से मान्यता प्राप्त फ्रेंचाइजी आधारित पेशेवर कुश्ती प्रतियोगिता प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के पांचवें सीजन की नीलामी शनिवार को ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स के साथ संपन्न हुई। नीलामी के दौरान व्यक्तिगत बोलियों ने अब तक के सभी आंकड़े तोड़ दिए। प्रतिष्ठित खेल प्रस्तोता चारु शर्मा द्वारा अंतिम हथौड़ा गिराए जाने के साथ छह फ्रेंचाइज़ियों ने कुल 63 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पहलवानों को अपने दल में शामिल किया, जिस पर 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई। महिला वर्ग में सबसे बड़ी बोली जापान की दिग्गज पहलवान यूई सुसाकी के नाम रही। पूर्व ओलंपिक चैंपियन, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी को हरियाणा थंडर्स ने 60 लाख रुपये में खरीदा, जो पीडब्ल्यूएल इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी बोली है। इस बोली में हरियाणा ने मुंबई डैंगल्स और टाइगर्स ऑफ मुंबई को पीछे छोड़ा।

रोटरी प्रीमियर लीग में रोटरी प्रयागराज संगम की शानदार जीत

प्रयागराज। रोटरी प्रीमियर लीग के सुपर नॉकआउट मुकाबले में रोटरी प्रयागराज संगम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रयागराज चैलेंजर्स को आठ विकेट से पराजित कर प्रतियोगिता में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रयागराज चैलेंजर्स की टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाए। उनकी ओर से राहुल खरे (22 रन), आशुतोष पांडेय (17 रन) और वरुण जायसवाल (16 रन नाबाद) ने उपयोगी योगदान दिया। रोटरी प्रयागराज संगम की ओर से सधी हुई गेंदबाजी देखने को मिली, जिसमें सचिन उपाध्याय और संदीप सिंह ने महत्वपूर्ण विकेट झटके और रन गति पर अंकुश लगाया। 93 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोटरी प्रयागराज संगम ने शुरुआत से ही आक्रामक और आत्मविश्वास से भरी बल्लेबाजी की। टीम ने मात्र 8.4 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसमें अमरेंद्र सिंह ने मात्र 8 गेंदों पर 22 रनों की विस्फोटक नाबाद पारी खेली, वहीं संदीप सिंह ने 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर टीम को मजबूती प्रदान की। विशाल तलवार (17 रन) और सचिन उपाध्याय (23 रन) की पारियों ने जीत को और भी आसान बना दिया। कप्तान अविनाश के कुशल नेतृत्व में टीम ने हर विभाग में संतुलित और प्रभावी खेल दिखाया। मैच के बाद टीम प्रबंधन एवं समर्थकों ने इस जीत पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

शुभमन गिल ने बोर्ड से लगाई गुहार, पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कर सकता है टेस्ट में भारतीय टीम की मदद

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) टेस्ट के लिए बेहतर तैयारी कराने में मदद करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख VVS लक्ष्मण की सेवाओं का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। यह तब हुआ जब कप्तान शुभमन गिल ने कथित तौर पर बोर्ड से कहा था कि टेस्ट सीरीज से पहले टीम के लिए 15 दिन के रेड-बॉल कैंप जरूरी हैं। वहीं इस दौरान गंभीर व्हाइट बॉल सीरीज में व्यस्त होंगे। ऐसे में लक्ष्मण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार BCCI के एक सूत्र ने दावा किया कि बोर्ड टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के लिए रेड-बॉल कैंप आयोजित करने में लक्ष्मण की सेवाओं का इस्तेमाल कर सकता है। यह तब हुआ जब कप्तान शुभमन गिल ने कथित तौर पर बोर्ड से कहा था कि टेस्ट सीरीज से पहले टीम के लिए 15 दिन के रेड-बॉल कैंप जरूरी है। BCCI सूत्र ने बताया कि गंभीर टेस्ट सीरीज से पहले व्हाइट-बॉल असाइनमेंट में व्यस्त हो सकते हैं और इसलिए लक्ष्मण उस समय टीम को बेहतर तैयारी कराने में मदद करने वाले हो सकते हैं। सूत्र ने कहा, 'ऐसे मौके आ सकते हैं जब गंभीर व्हाइट-बॉल टीमों के साथ व्यस्त होंगे, जबकि टेस्ट सीरीज आने वाली होगी। बोर्ड रेड-बॉल कैंप आयोजित करने के लिए CoE क्रिकेट प्रमुख VVS लक्ष्मण की सेवाओं का इस्तेमाल कर सकता है।'

कोमा से बाहर आए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्टिन की सेहत में सुधार, गिलक्रिस्ट ने दिया हेल्थ अपडेट

ब्रिसबेन : गोल्ड कोस्ट के एक अस्पताल में दिमागी बुखार का इलाज करा रहे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन कोमा से बाहर आ गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि 54 वर्ष के विश्व कप विजेता क्रिकेटर को जल्दी ही IC से बाहर कर दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रसारक फॉक्स स्पोर्ट्स ने दो दिन पहले कहा था कि मार्टिन कोमा से बाहर हैं और अपने प्रियजनों से बात कर रहे हैं। मार्टिन के साथी खिलाड़ी रहे और दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने एक बयान में कहा, 'पिछले 48 घंटे में कुछ अविश्वसनीय सा हुआ। अब डेमियन बात कर रहा है और उसकी हालत में सुधार आ रहा है। उसकी पत्नी अमांडा सभी से कहना चाहती है कि उनकी दुआओं का असर हुआ है।' डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद मध्यक्रम बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,406 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 46.37 रहा। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 208 मैचों में 5,346 रन बनाए और उनका औसत 40.90 रहा, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 144 नाबाद रहा।

महिला एचआईएल 2025-26: खराब शुरुआत के बाद सूरमा हॉकी क्लब ने हेड कोच जूड मेनेज़ेस से नाता तोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की महिला टीम सूरमा हॉकी क्लब ने मौजूदा 2025-26 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने हेड कोच जूड मेनेज़ेस से अलग होने का फैसला किया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि टीम के खराब नतीजों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

सूरमा हॉकी क्लब ने पिछले सीजन (2024-25) में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया था, लेकिन मौजूदा सीजन में टीम की शुरुआत बेहद खराब रही है। टीम ने अब तक खेले गए अपने चारों मुकाबले गंवाए हैं, जिसके चलते अंक तालिका में उसकी स्थिति कमजोर बनी हुई है।

सूरमा हॉकी क्लब को अभी लीग में दो मुकाबले और खेलने हैं, जिसमें उसका सामना रांची रॉयल्स और श्राची बंगाल टाइगर्स से होगा। इन अहम मुकाबलों से पहले टीम प्रबंधन ने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई दिशा देने की कोशिश की है। टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।सूरमा हॉकी क्लब प्रबंधन का मानना है कि यह बदलाव टीम के

क्लब ने पूर्व भारतीय कप्तान और टीम मेंटर रानी रामपाल को टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों के लिए अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। रानी रामपाल को मौजूदा कोचिंग स्टाफ का सहयोग मिलेगा। उनके नेतृत्व में आत्मविश्वास और रणनीति में सुधार लाने में मदद करेगा। अब सभी की नजरें रानी रामपाल के मार्गदर्शन में होने वाले आगामी मुकाबलों पर टिकी होंगी, जहां टीम सम्मानजनक वापसी करने की कोशिश करेगी।

बेंगलुरु ओपन 2026: सिद्धार्थ रावत क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में, सोमवार से मेन ड्रॉ की शुरुआत

एजेंसी

बेंगलुरु। 10वें डाफा न्यूज़ बेंगलुरु ओपन 2026 में क्वालीफाइंग मुकाबलों की शुरुआत के साथ ही एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम रोमांचक मुकाबलों का गवाह बना। पहले दिन खेले गए क्वालीफाइंग के पहले दौर में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले।

भारत के सिद्धार्थ रावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में जगह बना ली। रावत ने अपने ही देश के नितिन कुमार सिन्हा को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया। मुकाबले की शुरुआत से ही रावत आत्मविश्वास से भरे नजर आए और पहले सेट में आक्रामक खेल के दम पर बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में नितिन सिन्हा ने जोरदार वापसी करते हुए रावत की सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली, लेकिन रावत ने अनुभव का परिचय देते हुए लगातार दो अहम ब्रेक हासिल किए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन हालांकि चुनौतीपूर्ण रहा। देव जाविया और आदिल कल्याणपुर ने क्रमशः

डोमिनिक पालान और ईरो वासा के खिलाफ तीन-सेट के कड़े मुकाबलों में जुझारू प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उन्हें हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में जगह बनाने वाले अन्य खिलाड़ियों में चीनी ताइपे के कुआन-यी ली, जापान के रयोतारो टैगुची और जुम्पेई यामासाकी, मलेशिया के मित्सुकी वेई कांग लियोंग, ट्यूनीशिया के अज़ीज़ औकाका, नीदरलैंड्स के नील्स विस्कर और फ्रांस के आर्थर रेमोंड व फेलिक्स बालशॉ शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी सुबह होने वाले अंतिम क्वालीफाइंग मुकाबलों में मेन ड्रॉ में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

दिन के अंत में यूक्रेन के यूरी द्झावाकियन और फ्रांस के एलेक्सिस गॉतिए के बीच मुकाबला खेला जाना था, जिससे क्वालीफाइंग के पहले दिन का समापन हुआ।

दोपहर से टूर्नामेंट के मेन ड्रॉ की शुरुआत होगी, जिसमें दर्शकों के लिए कई रोमांचक मुकाबले तय हैं। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले युवा खिलाड़ी मानस धामने का सामना क्रोएशिया के पांचवें वरीय मातेय डोडिग से होगा। इसके अलावा, एक बहुप्रतीक्षित ऑल-इंडियन मुकाबले में पूर्व चैंपियन सुमित नागल का सामना स्थानीय खिलाड़ी एस.डी. प्रज्वल देव से होगा। बेंगलुरु ओपन 2026 की शुरुआत उत्साहजनक रही है और आने वाले दिनों में दर्शकों को उच्च स्तरीय टेनिस देखने को मिलने की पूरी उम्मीद है।

सिडनी टेस्ट : दूसरे दिन सोमवार का खेल खत्म, जो रूट ने की पोटिंग की बराबरी

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की ऐशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन सोमवार का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 2 विकेट खोकर 166 रन बना लिए हैं।

दूसरे दिन आज इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। रूट ने 242 गेंदों का सामना करते हुए 15 चौकों की मदद से शानदार 160 रन की शतकीय पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 41वां शतक रहा, जिसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। पोंटिंग ने अपने टेस्ट करियर में 168 मैचों में 41 शतक लगाए थे। अब जो रूट भी सर्वाधिक टेस्ट

शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में अब रूट से आगे केवल भारत के महान सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस (45 शतक) हैं। खास बात यह भी है कि 2021 के बाद से रूट का यह 24वां टेस्ट शतक है, जो इस अवधि में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक है। इंग्लैंड की पहली पारी में रूट के अलावा हैरी ब्रूक ने 84 रन और जेमी स्मिथ ने 46 रन की अहम पारी खेली। वहीं विल जैक्स और बेन डकेट ने 27-27 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में माइकल नेसर सबसे सफल रहे, जिन्होंने 4 विकेट झटके। इसके अलावा मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कैमरून ग्रीन और मार्नस लाबुशेन को एक-एक सफलता मिली। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने मजबूत शुरुआत की है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 166 रन बना लिए हैं। ट्रेविस हेड 87 गेंदों में नाबाद 91 रन बनाकर शानदार लय में नजर आ रहे हैं, जबकि नाइट वॉचमैन के रूप में उतरे माइकल नेसर 15 गेंदों में एक रन बनाकर नाबाद हैं। सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड 21 रन और मार्नस लाबुशेन 48 रन बनाकर आउट हुए।

बरेका स्टेडियम में रोमांचक क्रिकेट मुकाबला, संरक्षक एकादश छह विकेट से जीता

एजेंसी

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में बरेका स्टेडियम में अध्यक्ष एकादश एवं संरक्षक एकादश के बीच एक मैत्रीपूर्ण रोमांचक क्रिकेट मैच खेला गया। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अध्यक्ष एकादश ने कप्तान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एवं अध्यक्ष, बरेका खेल संघ सुशील कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में निर्धारित 15 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 120 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। मैच में वरिष्ठ आंकड़ा संसाधन प्रबंधक एवं सचिव (क्रिकेट) संतोष कुमार सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 26 रन बनाए। वहीं, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक अभिषेक पाण्डेय ने 19 रन तथा एस. के. श्रीवास्तव ने उपयोगी 17 रनों का योगदान दिया। संरक्षक एकादश की ओर से गेंदबाजी में उप मुख्य विद्युत इंजीनियर नीरज सिंह ने 2 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जबकि सी.एम.ई./पी.ओ.एच. एस. बी. पटेल एवं सहायक सामग्री प्रबंधक आनंद वार्ष्णेय ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संरक्षक एकादश ने कप्तान महाप्रबंधक, बरेका सोमेश कुमार के नेतृत्व में सधी हुई और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 12.3 ओवरों में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (उत्पादन एवं विपणन) एवं महासचिव, बरेका खेल संघ सुनील कुमार ने शानदार नाबाद 45 रन बनाकर मैच को एकतरफा बना दिया। उनके अलावा एस. बी. पटेल ने 16 रन तथा नीरज सिंह ने 13 रनों का योगदान दिया।

ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन, न्यायाधीशों ने किया उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन

एजेंसी

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के तत्वावधान में आयोजित सेकंड ऑल इंडिया जज बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन हो गया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 03 से 04 जनवरी तक रांची के खेलगांव परिसर स्थित ठाकुर विश्वनाथ शहदेव इंडोर स्टेडियम, मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों से आए 31 न्यायाधीशों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान मेन सिंगल्स, वूमेन सिंगल्स, मेन डबल्स एवं मिक्स्ड डबल्स कुल चार वर्गों में मुकाबले खेले गए, जिनमें प्रतिभागियों ने उच्च स्तरीय खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। समापन अवसर पर अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को न्यायपालिका के सदस्यों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, आपसी सौहार्द एवं खेल भावना को सुदृढ़ करने वाला बताया।

प्रतियोगिता का परिणाम

मेन सिंगल्स

विजेता : न्यायमूर्ति फरहान परवेज़ दुबास (बॉम्बे हाईकोर्ट)

उपविजेता : न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस (केरल हाईकोर्ट)

तृतीय स्थान : न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी (इलाहाबाद हाईकोर्ट)

वूमेन सिंगल्स

विजेता : न्यायमूर्ति सावित्री राठो (ओडिशा हाईकोर्ट)

उपविजेता : न्यायमूर्ति रेखा बोराना (राजस्थान हाईकोर्ट)

तृतीय स्थान : न्यायमूर्ति नूपुर भाटी (राजस्थान हाईकोर्ट)

मेन्स डबल्स

विजेता : न्यायमूर्ति फरहान परवेज़ दुबास एवं न्यायमूर्ति सारंग वी. कोटवाल (बॉम्बे हाईकोर्ट)

उपविजेता : न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस एवं न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी. (केरल हाईकोर्ट)

तृतीय स्थान : न्यायमूर्ति सी. सारावाना एवं न्यायमूर्ति जी.के. इलंथिरैयन (मद्रास हाईकोर्ट)

मिक्स्ड डबल्स

विजेता : न्यायमूर्ति वी. नरसिंह एवं माननीय न्यायमूर्ति सावित्री राठो (ओडिशा हाईकोर्ट)

उपविजेता : न्यायमूर्ति रवि चिरानिया एवं न्यायमूर्ति रेखा बोराना (राजस्थान हाईकोर्ट)

तृतीय स्थान : न्यायमूर्ति फरजान्द अली एवं न्यायमूर्ति नूपुर भाटी (राजस्थान हाईकोर्ट)

प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन की ओर से किए गए उत्कृष्ट प्रबंधन, समन्वय एवं सुविधाओं की व्यापक रूप से सराहना की गई।

ब्लैक टाइगर ने जीता मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट

एजेंसी

खूंटी। मारंग गोमके जयपाल सिंह स्पोर्ट्स अकादमी, टकरा (खूंटी) के तत्वावधान में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा मेमोरियल पुरुष हॉकी टूर्नामेंट-2026 का समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में ब्लैक टाइगर की टीम ने सिमडेगा-11 को पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया।

फाइनल मैच बेहद संघर्षपूर्ण रहा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 गोल की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। शूटआउट में ब्लैक टाइगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत सुनिश्चित की। विजेता ब्लैक टाइगर की टीम को 51 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी, जबकि उपविजेता सिमडेगा-11 को 31 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी दी गई। प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल करने वाली तोरपा तूफान टीम को 21 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। वहीं मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जोसेफ एक्का को और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अक्षय कुमार को दिया गया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद कालीचरण मुंडा और विशिष्ट अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 123वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 12 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के पुत्र जयंत जयपाल सिंह मुंडा, ओलंपियन मनोहर टोपनो, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सावित्री पूर्ति, मेजर ध्यानचंद अवार्डी सुमराय टेटे, जगन टोपनो, क्रिस्टोफर इंदवार, करुणा पूर्ति, छोटू उरांव, कमल होरो, संजय मुंडा, नामजन मुरुम, हॉकी खूंटी के सचिव दशरथ महतो सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

टी 20 अभ्यास मैच में थाईलैंड की महिला टीम ने हिमाचल को 21 रनों से दी मात

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एच.पी.सी.ए.) स्टेडियम धर्मशाला में रविवार को थाइलैंड व हिमाचल की महिला सीनियर टीम के बीच खेले गए अभ्यास मैच में थाइलैंड ने हिमाचल को 21 रनों से हरा दिया है। इससे पहले एच.पी.सी.ए. की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी थाइलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 123 रन बनाए। थाइलैंड की बल्लेबाजी में नाथकन चांथम ने 67, ननापत ने 27 व चानिदा ने 20 रन की पारी खेली। जबकि हिमाचल की ओर से गेंदबाजी करते हुए मनीषा, नीना, यमुना व सोनल ने क्रमशः 1-1 विकेट अपने नाम किया। उधर इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिमाचल की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 102 रन ही बना पाई। हिमाचल की ओर से सोनल ने सर्वाधिक 22 रनों की पारी खेली। इसके अलावा देवांशी ने 15, सुष्मिता ने नाबाद 14, वंदना ने 12 व मोनिका ने टीम के लिए 11 रन जोड़े, लेकिन जीत के लिए तय लक्ष्य तक पहुंचने में नाकामयाब रहे। वहीं थाइलैंड की गेंदबाजी में ओनिचा ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए।

मेंस एचआईएल 2025-26: श्राची बंगाल टाइगर्स ने जीत के साथ किया खिताब रक्षा अभियान का आगाज

एजेंसी

चेन्नई। डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने मेन'ह्य हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 3-1 से पराजित किया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम, एग्मोर में खेले गए इस मुकाबले में टाइगर्स ने संतुलित आक्रमण और सधी हुई रक्षा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। श्राची बंगाल टाइगर्स की ओर से सुखजीत सिंह (33'), अभिषेक (45') और गुरसेवक सिंह (60') ने गोल दागे, जबकि सूरमा के लिए एकमात्र गोल प्रभजोत सिंह (54') ने किया।

मुकाबले का पहला क्वार्टर काफी संतुलित रहा। दोनों टीमों ने सतर्क शुरुआत की और खेल को समझने में समय लिया। सूरमा ने लंबे पास और साइड बदलकर टाइगर्स की डिफेंस को फैलाने की कोशिश की, वहीं टाइगर्स ने तेज काउंटर अटैक और एरियल बॉल्स के जरिए मौके बनाने का प्रयास किया। हालांकि शुरुआती

15 मिनट में कोई भी टीम स्पष्ट गोल मौका नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में श्राची बंगाल टाइगर्स का दबदबा बढ़ता दिखा। अभिषेक ने आक्रमण में लगातार सक्रिय रहते हुए कई पेनल्टी कॉर्नर दिलाए, लेकिन सूरमा के गोलकीपर विंसेंट वानाश ने शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए अपनी टीम को बचाए रखा। हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 बना रहा।तीसरे क्वार्टर में टाइगर्स ने आखिरकार बढ़त बना ली। 33वें मिनट में टॉम ग्रामबुश के पेनल्टी कॉर्नर फ्लिक को सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन के साथ गोल में बदल दिया। इसके बाद टाइगर्स का आक्रमण जारी रहा और 45वें मिनट में अभिषेक ने डिफेंडर को चकमा देते हुए तीखे रिवर्स हिट से गेंद को जाल में पहुंचाकर बढ़त को 2-0 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में जेएसडब्ल्यू सूरमा ने वापसी की कोशिश की और 54वें मिनट में प्रभजोत सिंह ने बेहतरीन टीम मूव का फायदा उठाते हुए गोल कर अंतर को कम किया। इसके बाद सूरमा ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया और आखिरी क्षणों में गोलकीपर को बाहर निकालकर अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेला। इसी दौरान टाइगर्स ने मौका भुनाया। अभिषेक ने गेंद पर कब्जा जमाकर गुरसेवक सिंह को पास दिया, जिन्होंने 60वें मिनट में खाली गोल में गेंद डालकर जीत सुनिश्चित कर दी। सुखजीत सिंह को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स ने खिताब बचाने की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है।

नेटवर्क18, सीएनएन ने अपनी साझेदारी को 2035 तक के लिए बढ़ाया

मुंबई। मीडिया कंपनी नेटवर्क18 ने अपने प्रमुख अंग्रेजी समाचार चैनल सीएनएन-न्यूज18 के लिए सीएनएन इंटरनेशनल के साथ अपनी साझेदारी को अगले 10 वर्ष के लिए बढ़ाया है। संयुक्त बयान के अनुसार, ब्रांड और सामग्री लाइसेंसिंग समझौते को एक और दशक के लिए 31 दिसंबर 2035 तक बढ़ा दिया है। नेटवर्क18 और सीएनएन इंटरनेशनल के बीच पहली बार 2005 में साझेदारी की गई थी जिसे 2015 में बढ़ाया गया और अब इसे 2035 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। नेटवर्क18 ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं प्रधान संपादक राहुल जोशी ने कहा, '' दो दशकों से फल-फूल रही टीवी समाचार साझेदारी अब विकास के नए रास्ते खोलेगी, जिसमें डिजिटल एवं 'कनेक्टेड' टीवी पर विस्तारित उपस्थिति भी शामिल है।'' सीएनएन इंटरनेशनल कमर्शियल के कार्यकारी उपाध्यक्ष फिल नेल्सन ने कहा, '' हम सीएनएन ब्रांड के लाइसेंस को जारी रखने और दुनिया भर में अपने सबसे बड़े एवं सबसे प्रमुख सहयोगी चैनल में से एक के विस्तार के लिए नेटवर्क18 के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को आगे बढ़ाने से खुश हैं।''

आइनॉक्स नियो एनर्जीज ने सनसोर्स एनर्जी की 250 मेगावाट क्षमता वाली सौर परियोजनाओं का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। आइनॉक्स क्लीन एनर्जी की अनुषंगी कंपनी आइनॉक्स नियो एनर्जीज ने सनसोर्स एनर्जी से 250 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं हासिल की हैं। आइनॉक्स क्लीन ने बयान में कहा कि कंपनी 50 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता हासिल करने की प्रक्रिया में भी है जिससे कुल अधिग्रहित क्षमता 300 मेगावाट हो जाएगी। ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र सहित 13 राज्यों में स्थित विभिन्न विशेष इकाई (एसपीवी) के जरिये संचालित की जा रही हैं जो कई वाणिज्यिक एवं औद्योगिक कंपनियों को बिजली बेचती हैं। सनसोर्स नीदरलैंड स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी एसएचवी एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। आइनॉक्स क्लीन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं पूर्णकालिक निदेशक भरत सक्सेना ने बयान में कहा, '' यह अधिग्रहण हमारे आईपीपी व्यवसाय के लिए एक प्रमुख विकास चालक होगा और बड़े पैमाने पर स्वच्छ, विश्वसनीय एवं किफायती नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।''

मदरसन को इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना के तहत मिली प्रोत्साहन राशि

नई दिल्ली। मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी समवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत प्रोत्साहन राशि मिली है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड (एसएएमआईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि नवीनतम स्वीकृतियों के तहत, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए आवरणों के उत्पादन हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा घोषित इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लाभार्थियों में मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया गया है। इसमें कहा गया कि ये प्रोत्साहन छह वर्ष के लिए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 की निवेश अवधि के दौरान अनुमानित संचयी निवेश 1,900 करोड़ रुपये है। कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स घटक चिनिर्माण योजना में मदरसन का शामिल होना उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में परिचालन बढ़ाने की उसकी मजबूत क्षमताओं एवं तत्परता को दर्शाता है।

अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज ने राइट्स इश्यू के जरिये 1200 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। गैर-वित्तीय वित्तीय कंपनी (एनबीसी) अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज ने राइट्स इश्यू के जरिये मौजूदा शेयरधारकों वारबर्ग पिंकस, केदारा कैपिटल और अल्फा इन्वेस्टमेंट कंपनी एलएलसी से 1200 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि पूंजी जुटाने का यह कदम शेयरधारकों के मजबूत विश्वास एवं विविध वित्तपोषण आधार बनाने के लिए अवांसे के अनुशासित दृष्टिकोण को दर्शाता है जो पूंजी जुटाने की उसकी रणनीति के अनुरूप है। अवांसे ने घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा क्षेत्रों में मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं तथा सशक्त निष्पादन क्षमताओं के समर्थन से भारतीय छात्रों की शैक्षणिक आकांक्षाओं को साकार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार सतत विकास हासिल किया है। बयान के अनुसार, नई जुटाई गई पूंजी का उपयोग शिक्षा ऋण वितरण को बढ़ाने, शिक्षा अवसंरचना में सुधार करने और संस्थागत साझेदारियों को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

खुलेंगे 4 नए आईपीओ, सिर्फ एक कंपनी की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में चार कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से एक भारत कोकिंग कोल का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली है। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 6 जनवरी को गैबियन टेक्नोलॉजीज का 29.16 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 8 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 76 रुपये से लेकर 81 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 9 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 13 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 7 जनवरी को विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हेकिल्स का 34.56 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 41 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन यजुर फाइबर्स का 120.41 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 168 रुपये से लेकर 174 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 9 जनवरी को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का 46.57 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 13 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं हुआ है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 16 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी मॉडर्न डायग्नोस्टिक के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में अपने काम काज की शुरुआत करेंगे। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 7 जनवरी को बीएसई की एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है।

भारत-ईयू व्यापार वार्ता आगे बढ़ाने को इस हफ्ते ब्रुसेल्स जाएंगे पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के टैरिफ और बढ़ाने की धमकी के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस हफ्ते ब्रुसेल्स का दौरा करेंगे। इस दौरान वे अपने यूरोपीय संघ (ईयू) के समकक्ष के साथ भारत-ईयू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंत्री पीयूष गोयल मंगलवार रात को ब्रुसेल्स रवाना होंगे। गोयल 8 एवं 9 जनवरी को अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान ईयू के कार्यकारी उपाध्यक्ष और यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात करेंगे। ब्रुसेल्स पहुंचने से पहले गोयल व्यापार और निवेश संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा करने के लिए लिकटेंस्टीन में रुकेंगे। गोयल के साथ इस यात्रा में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी होंगे। भारत-ईयू के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। उल्लेखनीय है कि लिकटेंस्टीन यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) का सदस्य है। भारत और ईएफटीए ने 01 अक्टूबर 2025 को एक मुक्त व्यापार समझौता लागू किया। ईएफटीए के अन्य सदस्यों में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,35,820 रुपये से लेकर 1,35,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,24,500 रुपये से लेकर 1,24,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी के भाव में भी तेजी का रुख है। भाव में उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी 2,41,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में सिर्फ 750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ। सोने की तरह चांदी के भाव में भी इस सप्ताह तेजी दर्ज की गई। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,970 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं,

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद ने मनाई चौथी स्थापना वर्षगांठ, निर्यात में 6.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश से वर्ष 2024-25 में आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात 6.11 प्रतिशत बढ़कर 6.889 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। यह जानकारी आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद (आयुषएक्सिल) की चौथी स्थापना वर्षगांठ दी गयी। यह सफलता सरकार की तरफ से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों और व्यापार समझौतों में आयुष को शामिल किए जाने के कारण संभव हो सका है। परिषद के अनुसार, 2023-24 में आयुष निर्यात 6.492 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 6.889 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। यह बढ़ोतरी भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों और हर्बल उत्पादों की वैश्विक मांग में लगातार हो रही बढ़ोतरी को दर्शाती है। आयुषएक्सिल ने स्थापना के बाद से निर्यातकों की क्षमता निर्माण, निर्यात प्रक्रियाओं को आसान बनाने, नियामक अनुपालन में सहयोग देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बी2बी बैठकें, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियां, सेमिनार और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने पर विशेष ध्यान दिया है। आयुष मंत्रालय के सहयोग से परिषद को आयुष क्वालिटी मार्क कार्यक्रम को लागू करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) शिखर सम्मेलन (17-19 दिसंबर 2025) के दौरान की गई थी। इसका उद्देश्य आयुष उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उनकी वैश्विक मान्यता को मजबूत करना है। इसके साथ ही, भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में भी औपचारिक मान्यता मिली है। इनमें भारत-ओमान सीईपीए और भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) शामिल हैं, जिनमें पारंपरिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विशेष प्रावधान किए गए हैं।आयुषएक्सिल ने पांचवें वर्ष में प्रवेश करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने, मुक्त व्यापार समझौतों के अवसरों का लाभ उठाने, गुणवत्ता और प्रमाणन ढांचे को सशक्त बनाने तथा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। यह वर्षगांठ आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप, वैश्विक आयुष और वेलनेस अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है।

लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने 26,340 अंक के स्तर पर पहुंच कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया। ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिक्री के शानदार आंकड़ों तथा अर्निंग आउटलुक को लेकर बने उत्साह के माहौल के कारण वैश्विक दबाव का सामना करने और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने के बावजूद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह तेजी बनी रही। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 720.56 अंक यानी 0.84 प्रतिशत उछल कर 85,762.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के दौरान कुल 286.25 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,328.55 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल आईडीबीआई बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, एनटीपीसी, टाटा स्टील, बॉश और जिंदल स्टील के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, आईटीसी, बर्जर पेंट्स इंडिया, वारी एनर्जीज और यूनाइटेड स्प्रीट्स के शेयरों में 3 से 13 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। लार्ज कैप की तरह ही बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद दौरान साप्ताहिक आधार पर 1.50 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल बैंक ऑफ महाराष्ट्र, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, एसजेवीएन, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और गुजरात गैस के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके विपरीत रेल विकास निगम, पीबी फिनटेक, केपीआईटी टेक्नोलॉजीज, प्रीमियर एनर्जीज, दीपक नाइट्राइट और कोरोमंडल इंटरनेशनल के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर 3 से 6 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गईपिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद स्मॉलकैप इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर एक प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल शालीमार पेंट्स, वेरंडा लर्निंग सॉल्यूशंस, सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज, इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज, ओरिएंट टेक्नोलॉजीज, एंटरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस, स्टेलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, केपीआई ग्रीन एनर्जी, इंफोबींस टेक्नोलॉजीज, नजारा टेक्नोलॉजीज, ट्रांसफॉमर्स एंड रेक्टिफायर्स इंडिया, इंडो फार्म इक्विपमेंट और यूनाइटेड फूड ब्रांड्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, कोठारी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, इंडो थाई सिक्योरिटीज, प्रिवी स्पेशलिटी केमिकल्स, राजेश एक्सपोर्ट्स, टूरिज्म फाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, भागीरथ केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज, क्यूपिड और डेक्कन गोल्डमाइंस के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर 10 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार में सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें, तो निफ्टी के मेटल और पीएसयू बैंक इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी के ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और मीडिया इंडेक्स में भी साप्ताहिक आधार पर 3 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, निफ्टी का एफएमसीजी इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 3.7 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह निफ्टी का आईटी इंडेक्स भी साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत टूट कर बंद हुआ।

भारत का यूरिया आयात अप्रैल-नवंबर में दोगुने से अधिक होकर 71.7 लाख टन हो गया: एफएआई

एजेंसी

मुंबई। घरेलू उत्पादन में गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीने में भारत का यूरिया आयात दोगुने से अधिक होकर 71.7 लाख टन हो गया है जो किसानों की मांग को पूरा करने के लिए विदेशी आपूर्ति पर देश की बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान यूरिया का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 32.6 लाख टन की तुलना में 120.3 प्रतिशत बढ़कर 71.7 लाख टन हो गया। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यूरिया उत्पादन अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच 3.7 प्रतिशत घटकर 1.97 करोड़ टन रहा। कुल यूरिया बिक्री 2.3 प्रतिशत बढ़कर 2.54 करोड़ टन तक पहुंच गई। एफएआई के चेयरमैन एस. शंकर सुब्रमण्यम ने एक बयान में कहा, '' हालांकि हमने समन्वित योजना के माध्यम से बिक्री में वृद्धि हासिल की है लेकिन आयात पर महत्वपूर्ण निर्भरता (विशेष रूप से यूरिया और डीएपी के लिए) रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के महत्व को दर्शाती है।''

यूरिया का आयात नवंबर माह में 68.4 प्रतिशत बढ़कर 13.1 करोड़ टन हो गया, जबकि नवंबर 2024 में यह 7.8 लाख टन था। यूरिया की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर माह में 4.8 प्रतिशत बढ़कर 37.5 लाख टन हो गई। अन्य महत्वपूर्ण मृदा पोषक तत्व, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की आयात पर निर्भरता भी बढ़ रही है। डीएपी का आयात अब कुल आपूर्ति का 67 प्रतिशत है जो पिछले वर्ष 56 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान इसकी बिक्री 71.2 लाख टन पर स्थिर रही।घरेलू डीएपी उत्पादन में 5.2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 26.8 लाख टन रह गया। एफएआई के महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि इन आंकड़ों में दो प्रमुख बातें सामने आई हैं।

यूपी में एमएसएमई, धार्मिक पर्यटन व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश करेंगे कनाडा के उद्यमी

एजेंसी

लखनऊ: कैनेडियन हिंदू चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सभी 24 सदस्यों का स्वागत किया। कैनेडियन हिंदू चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के संस्थापक अध्यक्ष नरेश कुमार चावड़ा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधि मंडल ने उत्तर प्रदेश के अंदर एमएसएमई, धार्मिक पर्यटन व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की इच्छा जताई। इस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदस्यों को अयोध्या में रामलला, काशी में काशी विश्वनाथ धाम तथा प्रयागराज के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल से प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप ट्रेड, टेक्नोलॉजी व टूरिज्म की दिशा में नए प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 8-9 वर्ष पहले त्योहारों पर बाजार चीन के उत्पादों से भरा रहता था, लेकिन हमने 2018 में परंपरागत उद्यम को 'एक जिला-एक उत्पाद' के माध्यम से आगे बढ़ाया। इन उत्पादों को डिजाइन, तकनीक व प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया। इन्हें सितंबर के अंतिम सप्ताह में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शोकेस का भी अवसर देते हैं।

सीएम ने बताया कि आज यूपी के बाजार से चीन के उत्पाद गायब हो गए हैं। सरकार सभी 96 लाख एमएसएमई यूनिट को सपोर्ट कर रही है और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दे रही है। इनके जरिए ढाई करोड़ परिवार की आजीविका जुड़ी है। एक जिला-एक उत्पाद के माध्यम से ब्रांडिंग कराई गई है। अब इनके उत्पादों को बड़े मंचों पर उपहार स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साथ ही यह दुनिया की सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था भी है। यूपी अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में शीर्ष तीन राज्यों में आता है। यहां देश की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को यूपी की नई गति से परिचित कराया। कहा कि यूपी संभावनाओं का प्रदेश है। यहां सुरक्षा, सुव्यवस्था व निवेश की बेहतर स्थिति है। गत वर्ष हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसमें से 15 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी है। शेष पांच लाख करोड़ के प्रस्ताव फिर से जीबीसी के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चैंबर्स के सदस्य यूपी में निवेश और तकनीक के साथ एफडीआई लाने में मदद कर सकते हैं। एफडीआई व फार्चून 500 कंपनियों के लिए यूपी में अलग पॉलिसी बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भारत के विरासत से जुड़े स्थलों का प्रतिनिधित्व भी करता है। दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक व आध्यात्मिक आयोजन महाकुम्भ पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में संपन्न हुआ। इसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

अंबानी परिवार ने नए साल की शुरुआत धार्मिक यात्रा से की: सोमनाथ के बाद सारंगपुर कष्टभंजन हनुमान मंदिर में दर्शन और 5 करोड़ का दान

एजेंसी

सारंगपुर, गुजरात। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके पुत्र अनंत अंबानी ने गुजरात के प्रसिद्ध श्री कष्टभंजन देव हनुमानजी मंदिर (सारंगपुर/सलंगपुर) में पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्री मुकेश अंबानी ने मंदिर को 5 करोड़ रुपये के दान की घोषणा की। यह यात्रा अंबानी परिवार की 2026 की शुरुआत में की गई धार्मिक यात्रा का हिस्सा है। इससे पहले परिवार ने सोमनाथ मंदिर में दर्शन किए और वहां भी 5 करोड़ रुपये का दान दिया था। इस प्रकार, नए साल की शुरुआत में अंबानी परिवार ने गुजरात के दो प्रमुख तीर्थस्थलों का दौरा कर आशीर्वाद लिया और उदारता का परिचय दिया। श्री कष्टभंजन हनुमान मंदिर स्वामिनारायण संप्रदाय से जुड़ा एक अत्यंत पवित्र स्थल है, जहां

भक्तों को कष्टों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। मंदिर में दर्शन के दौरान अनंत अंबानी को भगवान हनुमान की प्रतिमा भेंट की गई, जबकि मुकेश अंबानी को धार्मिक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।अंबानी परिवार की यह परंपरा रही है कि वे प्रमुख तीर्थस्थलों का दौरा कर दान देते हैं, जो समाज और धार्मिक विकास कार्यों में योगदान देता है। यह यात्रा शुभकामनाओं और सकारात्मक ऊर्जा के साथ नए साल की शुरुआत का प्रतीक बनी।

भारत वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बाजार है: कैथे कार्गो

एजेंसी

हांगकांग। कैथे कार्गो के दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका क्षेत्र के मालवाहक खंड के प्रमुख राजेश मेनन ने कहा कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने के साथ ही कंपनी भारत में निवेश बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने साथ ही देश को '' बेहद महत्वपूर्ण '' रणनीतिक बाजार करार दिया। हांगकांग स्थित हवाई मालवाहक संचालक कैथे कार्गो वर्तमान में भारत के लिए प्रति सप्ताह 13 मालवाहक सेवाएं.. पांच दिल्ली, पांच चेन्नई और तीन मुंबई के लिए संचालित करती है। मेनन ने यहां के साथ साक्षात्कार में कहा, '' भारत हमेशा से हमारे लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार रहा है और इसमें अपार संभावनाएं एवं वृद्धि के संकेत मिलते रहते हैं। भारत में 1953 में अपनी सेवाएं शुरू करने के बाद से हमने लगातार बढ़ते हुए 2000 में अपने मालवाहक परिचालन की शुरुआत की। हमने इस बाजार की अपार क्षमता और मजबूती को हमेशा पहचाना है। भारत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटल है और हम अपनी उपस्थिति को मजबूत एवं प्रभावशाली बनाए रखने के लिए निवेश करते रहेंगे।''उन्होंने कहा, '' भारत में वृद्धि की गति वास्तव में प्रभावशाली है और हम इस गतिशील यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं।''

भारत-इजराइल व्यापार को रुपये में करने को बढ़ावा देगा एसबीआई

एजेंसी

यरुशलम। भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों में गहराई लाने और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी चर्चाओं के बीच इजराइल में उपस्थित एकमात्र भारतीय ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहा है।

एसबीआई इजराइल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. मणिवन्नन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' भारत के सहयोगी देशों से होने वाले महत्वपूर्ण व्यापार एवं वैश्विक व्यापार समुदाय में भारतीय रुपये में व्यापार करने की बढ़ती रुचि को देखते हुए, हमारे बैंकिंग नियामक यानी भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों के निर्यात एवं आयात का निपटान भारतीय रुपये में करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत इजराइल को भागीदार देशों में से एक के रूप में चुना गया है।''

एसबीआई के अधिकारी ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से निर्यात/आयात करने वाली इजराइली संस्थाएं भारतीय रुपये में भुगतान प्राप्त करेंगी और देंगी जिसे इजराइली विक्रेता/खरीदार से माल या सेवाओं की आपूर्ति/खरीद के 'इनवॉइस' के बदले विशेष रुपी वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) में जमा किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, '' एसबीआई तेल अवीव के पास इन लेन-देन को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक स्वीकृतियां मौजूद हैं।''

एसबीआई की शाखा ने हाल ही में इजराइल-भारत वाणिज्य चैंबर के सहयोग से रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई बैठकें एवं वेबिनार आयोजित किए। इन चर्चाओं में इजराइल की अधिकतर प्रमुख रक्षा संस्थाओं के अधिकारी शामिल हुए थे।

हाल ही में 40,000 से अधिक भारतीय कामगारों के इजराइल कार्यबल में शामिल होने के साथ एसबीआई, तेल अवीव शाखा में भारत में उनके अनिवासी प्रवासी खाते खोलने की सुविधा प्रदान करके भारत में प्रेषण के प्रवाह को सुविधाजनक बनाने की भी कोशिश कर रहा है।एसबीआई ने 2007 में इजराइल में अपनी शाखा खोली और तब से एक पूर्ण विकसित परिचालन बनाए रखने में सफल रहा है। यह वैश्विक महामारी तथा क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण दो वर्ष से अधिक समय तक चली उथल-पुथल के बावजूद इसकी दृढ़ता को दर्शाता है। भारत के बाहर 241 'पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस' के माध्यम से इसकी उपस्थिति 29 देशों में है। अधिकारी ने कहा कि शाखा अपने वर्तमान एवं भावी ग्राहकों के साथ संबंध मजबूत करने और उनके व्यावसायिक प्रयासों में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने का यह प्रयास ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देश आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए प्रयासरत हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की नवंबर में इजराइल की यात्रा के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसंबर में इजराइल पहुंचे थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी पिछले महीने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी से बात की थी और दोनों नेताओं में '' बहुत जल्द मिलने पर सहमति'' बनी थी।इजराइल के पर्यटन मंत्री हैम काट्ज, अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत, कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिक्टर तथा वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने 2025 में भारत की यात्रा की। इसका मकसद मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है।

वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। गोयल की इजराइल यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए।

ताइवान को लेकर चीन के रुख स्पष्ट, कोई वैकल्पिक दृष्टिकोण स्वीकार्य नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने ताइवान के मुद्दे पर चीन के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए एक बार फिर स्पष्ट किया है कि ताइवान प्राचीन काल से ही चीन का अभिन्न हिस्सा रहा है और इस तथ्य को लेकर किसी तरह का विवाद या वैकल्पिक दृष्टिकोण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ताइवान से जुड़े ऐतिहासिक और कानूनी तथ्य पूरी तरह स्पष्ट हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चीन की संप्रभुता को चुनौती नहीं दी जा सकती। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए राजदूत शू फेइहोंग ने कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की सरकार की स्थापना अक्टूबर 1949 में हुई थी। उस समय पीआरसी सरकार ने रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार का स्थान लेते हुए पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र वैध सरकार के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने अपने बयान में जोर देते हुए कहा कि सरकार में परिवर्तन होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय कानून के विषय के रूप में चीन की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। शू फेइहोंग के अनुसार, पीआरसी सरकार स्वाभाविक रूप से पूरे चीन की संप्रभुता की मालिक है और उसका प्रयोग करती है, जिसमें ताइवान पर संप्रभुता भी पूरी तरह शामिल है।

नेपाल : रनवे पर फंसा बुद्ध एयर का विमान 36 घंटे बाद हटा

काठमांडू। नेपाल के पूर्वी क्षेत्र में अवस्थित भद्रपुर हवाई अड्डे के रनवे से फिसलकर नाले में फंसे बुद्ध एयर के एटीआर-72 विमान को 36 घंटे बाद घटना स्थल से हटाकर हवाई अड्डे के भीतर ही एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। घटनास्थल पर तैनात एक अधिकारी के अनुसार, सुबह 11 बजे से शुरू हुआ विमान का रेस्क्यू और स्थानांतरण कार्य करीब साढ़े 9 बजे पूरा हुआ। करीब 14 टन वजन के इस खाली विमान को नाले से निकालने के लिए रविवार सुबह 52 टन क्षमता वाली मुख्य क्रेन सहित तीन क्रेनों का उपयोग किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में बुद्ध एयर के 18 तकनीशियन, नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के कर्मचारियों समेत कुल लगभग 50 से 60 लोग शामिल थे। विमान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए जाने के बाद रनवे पर मौजूद अवरोध हट गया है। प्राधिकरण के अनुसार, अब भद्रपुर हवाई अड्डे से उड़ानों और छोटे रनवे के जरिए किए जा रहे अस्थायी संचालन में भी आसानी होने की उम्मीद है।

बलोच नेताओं ने नाटो सदस्य देशों को लिखा पत्र, पाकिस्तान, ईरान पर लगाया अस्थिरता, आतंक फैलाने का आरोप

ब्रुसेल्स। पाकिस्तान से आजादी के लिए संघर्षरत बलोच मुक्ति आंदोलन के नेताओं ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों से संपर्क साधा है और पाकिस्तान एवं ईरान की सरकारों पर अवैध कब्जे, लोकतांत्रिक मूल्यों के क्रूर दमन और मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाते हुए प्रस्ताव किया है कि यदि एक स्वतंत्र बलोचिस्तान राष्ट्र अस्तित्व में आता है तो वह नाटो में आतंकवाद-विरोधी साझीदार बन कर वैश्विक सुरक्षा को मजबूत कर सकता है।फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के प्रतिनिधि मीर यार बलोच ने नाटो के सदस्यों को संबोधित एक पत्र में पाकिस्तान और ईरान के खिलाफ बलोचिस्तान पर कब्जे, मानवाधिकार उल्लंघन और क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है। ब्रुसेल्स स्थित नाटो मुख्यालय को लिखे इस पत्र में दावा किया गया है कि एक स्वतंत्र बलोचिस्तान नाटो के लिए आतंकवाद-विरोधी साझीदार बन सकता है और वैश्विक सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। बलोचिस्तान पश्चिमी, मध्य एवं दक्षिण एशिया के बीच नाटो का सदस्य बन सकता है और संसाधनों के उपयोग को सुलभ कर सकता है। मीर यार बलोच ने पत्र में कहा कि बलोचिस्तान दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और मध्य एशिया को जोड़ने वाली रणनीतिक भूमि है, जिसकी अरब सागर की लंबी तट रेखा वैश्विक व्यापार और ऊर्जा मार्गों का केंद्र है। उन्होंने ऐतिहासिक तथ्य गिनाते हुए बताया कि 1947 से पहले बलोचिस्तान संप्रभु देश था, लेकिन 28 मार्च 1948 को पाकिस्तान ने सैन्य आक्रमण से इसका बलपूर्वक विलय कर लिया, जो 6 करोड़ बलोचों की सहमति के बिना हुआ।

जेन-जी आंदोलन के नाम पर हुई हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने लिया केपी शर्मा ओली का लिखित बयान

काठमांडू। जेन-जी आंदोलन के नाम पर 8 और 9 सितंबर को हुई तोड़फोड़ और हिंसा की जांच के लिए गठित, पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले जांच आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से बयान लिया है। आयोग की टीम ओली के भक्तपुर जिले के गुंडू स्थित निवास पर पहुंची और उन्हें सात दिनों के भीतर बयान प्रस्तुत करने का पत्र सौंपा। हालांकि, ओली ने तुरंत ही अपने निवास पर लगभग 60 सवालों के जवाब देते हुए लिखित बयान प्रदान कर दिया। स्रोत के अनुसार, नोटिस देने गई टीम को ही ओली ने अपना लिखित बयान सौंप दिया। आयोग के सदस्य तथा पूर्व डीआईजी विज्ञान राज शर्मा ने भी गुंडू में नोटिस सौंपे जाने की पुष्टि की। आयोग 8 और 9 सितंबर की घटनाओं से जुड़े लगभग सभी व्यक्तियों के बयान पहले ही दर्ज कर चुका है।

बांग्लादेश चुनावः तारिक रहमान के हाथों में बीएनपी की 'कमान', अध्यक्ष पद की संभालेंगे जिम्मेदारी

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में आम चुनाव की तारीख अब नजदीक है। चुनावी सरगर्मी तेज हो चुकी है और सियासी गलियारे में हलचल भी साफ देखने को मिल रही है। चुनावी तैयारियों के बीच पिछले साल में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख और पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन हो गया। इसके बाद अब बीएनपी ने घोषणा की है कि पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान अगले कुछ दिनों में अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार शाम सिलहट जिले में एक प्रोग्राम के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। फखरुल ने कहा कि पार्टी चेयरपर्सन और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की 30 दिसंबर, 2025 को मौत के

बाद से बीएनपी के अध्यक्ष का पद खाली है। उनके बेटे तारिक यह पद संभालेंगे। उन्होंने कहा कि बीएनपी सिलहट से अपना चुनावी अभियान फिर से शुरू करेगी। इस इलाके में पार्टी के कैंपेन करने की पुरानी परंपरा जारी रहेगी। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने बीएनपी नेता के हवाले से कहा, ''मीडिया ने चुनावों को लेकर चिंता जताई है, लेकिन बीएनपी उन डरों को साझा नहीं करती है। पार्टी ने लगातार चुनाव की मांग की है।'' मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए, पार्टी महासचिव फखरुल ने कहा, ''जब से अंतरिम सरकार बनी है, पिछले एक साल में भीड़ की हिंसा का कल्चर जड़ जमा चुका है, जिससे लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।''

बीएनपी नेता ने कहा कि भीड़ की हिंसा के इस भयानक कल्चर का मुकाबला मिलकर विरोध करके किया जा सकता है। यह सिर्फ एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के जरिए लोकतांत्रिक सिस्टम को फिर से शुरू करके ही किया जा सकता है।

दूसरी ओर, द डेली स्टार से बात करते हुए, कम से कम एक दर्जन नेताओं ने कहा कि गठबंधन के साथियों के साथ शेयर की गई सीटों पर बागी या निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे बीएनपी नेता फरवरी 2026 के चुनावों के लिए सीट-शेयरिंग की व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं।

अमेरिका ने कोलंबिया को सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में सैन्य अभियान के बाद कई देशों को धमकी दी है। उन्होंने इशारा किया है कि कोलंबिया में कभी भी सैन्य कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने मेक्सिको को भी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि वह वेनेजुएला के बेपटरी हो चुके तेल उद्योग को उबारने के लिए अमेरिकी कंपनियों पर भरोसा कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि वह कोलंबिया में सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेक्सिको को ड्रग्स के मामले में ठीक से काम करना होगा।

अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार जितने आकर्षक लगते हैं, वे अमेरिकी कंपनियों के लिए फायदे से ज्यादा जोखिम भरे हो सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को दोबारा बनाने में अरबों डॉलर का खर्च आएगा। कच्चा तेल अभी उस तरह की कीमत नहीं दे रहा है जिससे इतना धन निवेश करना आसान हो। वेनेजुएला के खास तरह के कच्चे तेल को रिफाइन करना अपने आप में महंगा काम है। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने अमेरिकी तेल कंपनियों से बात की है। सूत्रों के अनुसार, कंपनियां फिर से निवेश करने का वादा करने से हिचकिचा रही हैं।

अमेरिकी सरकार से मिल रहे लाभ को उठाने वाले प्रवासियों की लिस्ट में नहीं है भारत का नाम

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर प्रवासी कल्याण पाने वालों की देश के हिसाब से रैंकिंग के आंकड़ों की एक लिस्ट साझा की है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस दो पेज की लिस्ट में भारत का नाम नहीं है। इस लिस्ट में भारत का नाम ना होना कोई सामान्य बात नहीं है। यह अमेरिका के बड़े प्रवासी माहौल में भारतीय प्रवासियों की खास आर्थिक प्रोफाइल को दिखाता है। ये आंकड़े दो टेबल में दिखाए गए हैं, जिन्हें मिलाकर एक सिंगल डेटासेट बनाया गया है। ये अमेरिका में सरकारी मदद पाने वाले प्रवासी परिवारों का हिस्सा दिखाते हैं। यह दर 80 फीसदी से ज्यादा से लेकर 40 फीसदी से थोड़ा कम तक है। इस लिस्ट में सबसे ऊपर भूटान है, और भूटानी प्रवासियों का अमेरिकी सरकार से मदद पाने की दर 81.4 फीसदी है। इसके बाद यमन (उत्तर) 75.2 फीसदी, सोमालिया 71.9 फीसदी और मार्शल आइलैंड्स 71.4 फीसदी के साथ हैं। कई दूसरे देशों में भी कल्याणकारी भागीदारी का स्तर ऊंचा है। इस लिस्ट में डोमिनिकन रिपब्लिक और अफगानिस्तान दोनों ही देशों का दर 68.1 फीसदी है। कांगो 66 फीसदी, गिनी 65.8 फीसदी और इराक 60.7 फीसदी पर हैं। इस समूह में खासतौर से कई सेंट्रल अमेरिकन, कैरिबियन और अफ्रीकी देश शामिल हैं। ग्वाटेमाला 56.5 फीसदी, सूडान 56.3 फीसदी और अल साल्वाडोर 55.4 फीसदी पर दिखाए गए हैं। होंडुरास 52.9 फीसदी पर है। बांग्लादेश 54.8 फीसदी पर लिस्टेड है। इसके अलावा, लिस्ट के दूसरे पेज पर वे देश शामिल हैं जिनमें वेलफेयर में कम, लेकिन फिर भी उल्लेखनीय, भागीदारी है। आइवरी कोस्ट इस लिस्ट में 49.1 फीसदी के साथ सबसे आगे है, इसके बाद लाइबेरिया 48.9 फीसदी और अल्जीरिया 48.1 फीसदी के साथ दूसरे नंबर पर हैं। सीरिया 48 फीसदी पर लिस्टेड है। जॉर्डन और लीबिया दोनों 47.8 फीसदी पर हैं। इथियोपिया 47.6 फीसदी, रवांडा 47.1 फीसदी और मोरक्को 46.6 फीसदी पर दिखाए गए हैं। पाकिस्तान 40.2 फीसदी और मिस्र 39.3 फीसदी पर शामिल हैं। भारत का दो पेज की इस लिस्ट में कहीं भी नाम नहीं है। अमेरिका में प्रवासी और कल्याण के मुख्य राजनीतिक मुद्दे हैं, और भारत इनमें काफी चर्चा में रहता है। इसके बावजूद भी लिस्ट में इसकी गैर-मौजूदगी है। कई सालों की पब्लिक रिसर्च से पता चला है कि अमेरिका में भारतीय प्रवासी सभी समूहों में सबसे ज्यादा कमाने वालों में से हैं। वे वर्कफोर्स में ज्यादा भागीदारी और सरकारी मदद पर कम निर्भरता भी दर्ज करते हैं। इंडस्ट्री और एकेडमिक स्टडीज से यह भी पता चला है कि भारतीय प्रवासी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में, खासकर तकनीक, हेल्थकेयर और इंजीनियरिंग में, एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। वे इनकम टैक्स रेवेन्यू में अहम योगदान देते हैं और सिलिकॉन वैली में कई स्टार्टअप्स शुरू करने में शामिल रहे हैं।

ईरान में हालात नहीं सुधरे तो खामेनेई भाग सकते हैं रूस, नहीं थम रहा विरोध

एजेंसी

तेहरान (ईरान)। ईरान में आठ दिन से चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 19 नागरिकों और सुरक्षा बल के एक जवान की जान चली गई। देश के 222 स्थानों पर रातभर प्रदर्शन हुआ है। 26 प्रांतों के 78 शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। महंगाई के खिलाफ शुरू आंदोलन ने देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई का तख्त-ओ-ताज हिला दिया है। अशांति की लपटें पवित्र शहर कोम तक पहुंच चुकी हैं। खामेनेई कभी भी देश छोड़कर रूस जा सकते हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में अमेरिका की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) और द टाइम्स के हवाले से यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अशांति बढ़ती है तो सुप्रीम लीडर अली खामेनेई देश छोड़ सकते हैं। अगर सुरक्षा बल विरोध प्रदर्शनों को दबाने में नाकाम रहते हैं तो वह अपने करीब 20 सहयोगियों और परिवार के साथ मॉस्को भाग जाएंगे।

विरोध प्रदर्शन के आठवें दिन रविवार को मध्य तेहरान में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुई हैं। प्रदर्शनकारियों को

तितर-बितर करने के लिए राजधानी के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। सारी रात विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। यूनिवर्सिटी, बाजार और प्रांतीय शहर अशांति के केंद्र बने रहे। पश्चिमी शहर मालेकशही में शनिवार रात सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम पांच प्रदर्शनकारी मारे गए और लगभग 30 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में एक इंटेलिजेंस इनपुट के हवाला से कहा गया कि सुप्रीम लीडर अली खामेनेई अपने 20 करीबी सहयोगियों और परिवार के साथ ईरान से मॉस्को भागने की योजना तैयार कर चुके हैं। इनमें उनके बेटे और नामित उत्तराधिकारी मोज्तबा भी शामिल हैं।

अमेरिका में भारतीय महिला की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपी पूर्व प्रेमी भारत फरार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में एक अपार्टमेंट के भीतर एक युवा भारतीय हेल्थकेयर प्रोफेशनल की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि युवती के पूर्व प्रेमी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश की जा रही है, जो उसके लापता होने की रिपोर्ट करने के कुछ ही घंटों बाद देश छोड़कर भारत चला गया था। हॉवर्ड काउंटी पुलिस के अनुसार, एलिसॉट सिटी की 27 साल की निकिता गोडिशला का शव 3 जनवरी को कोलंबिया स्थित एक अपार्टमेंट में मिला। यह अपार्टमेंट उनके पूर्व साथी 26 वर्षीय अर्जुन शर्मा का बताया गया है। अर्जुन शर्मा भी भारत से हैं। पुलिस ने उन पर फर्स्ट और सेकंड-डिग्री मर्डर का आरोप दर्ज किया है। अर्जुन भारत के लिए उड़ान भर चुका है, इसकी पुष्टि होने के बाद अमेरिकी एजेंसियां उसे तलाशने और गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि 2 जनवरी को अर्जुन शर्मा ने निकिता के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज

कराई थी। उसने कहा था कि उसने निकिता को आखिरी बार 31 दिसंबर को अपने अपार्टमेंट में देखा था, जो ट्विन रिवर्स रोड के 10100 ब्लॉक में स्थित है। बाद में पुलिस को पता चला कि उसी दिन अर्जुन शर्मा अमेरिका छोड़कर भारत चला गया।

3 जनवरी को पुलिस ने अपार्टमेंट की तलाशी ली, जहां निकिता का शव चाकू के घावों के साथ मिला। पुलिस का मानना ??है कि 31 दिसंबर, नए साल की पूर्व संध्या पर शाम 7 बजे के तुरंत बाद उसकी हत्या की गई थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि जांच जारी है और अब तक हत्या का कोई मकसद सामने नहीं आया है। हावर्ड काउंटी पुलिस ने कहा कि शव मिलने के बाद अर्जुन शर्मा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। उसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है। निकिता के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह एक हेल्थकेयर और डेटा एनालिटिक्स प्रोफेशनल थीं। उन्हें फार्मेसी, क्लिनिकल रिसर्च, स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी और डाटा प्रबंधन का अनुभव था। उनका लक्ष्य डाटा के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और मरीजों के नतीजों में सुधार करना था। उन्हें विश्लेषण, नियामक अनुपालन और स्वास्थ्य गुणवत्ता प्रणालियों का अच्छा ज्ञान था। उनके पास यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड बाल्टीमोर काउंटी से हेल्थ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में मास्टर डिग्री और भारत में जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ फार्मेसी की डिग्री थी।

अमेरिकी कानून के अनुसार, फर्स्ट-डिग्री मर्डर में पहले से प्लानिंग शामिल होती है, जबकि सेकंड-डिग्री मर्डर उन जानबूझकर की गई हत्याओं पर लागू होता है जिनमें पहले से कोई प्लानिंग नहीं होती। गौर करने वाली बात यह है कि अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है, जिससे गंभीर अपराधों में सहयोग किया जाता है। हालांकि, ऐसी प्रक्रिया में अदालतों की समीक्षा और कूटनीतिक समन्वय शामिल होता है, और इसमें अक्सर कई महीने लग जाते हैं।

नेपाल में अमेरिकी दूतावास के सामने राष्ट्रपति ट्रंप का पुतला फूंका गया

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर किए गए सैन्य आक्रमण के विरोध में वामपंथी संगठनों ने काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के सामने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका है। माओवादी निकट छात्र संगठन अखिल (क्रांतिकारी) से आबद्ध नेता कार्यकर्ताओं ने काठमांडू में अमेरिकी दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला दहन किया। रविवार की शाम को प्रदर्शनकारियों ने ट्रम्प का पुतला जलाते हुए अमेरिका विरोधी तीखे नारे लगाए। संगठन के नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ

संघर्ष और वेनेजुएला की संप्रभुता व स्वतंत्रता के समर्थन में आयोजित किया गया है। प्रदर्शन के दौरान अमेरिका पर दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और बल प्रयोग के जरिए अपनी नीतियां थोपने का आरोप लगाया गया। इससे पहले आज ही दर्जनों वामपंथी युवा तथा छात्र संगठनों ने अमेरिकी दूतावास के सामने भी अलग अलग समय में विरोध प्रदर्शन किया था। वहां वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने और शांतिपूर्ण समाधान निकालने की मांग की गई। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, हालांकि सुरक्षाबलों की भारी तैनाती के बीच कुछ समय के लिए इलाके में यातायात प्रभावित हुआ।

निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी : वेनेजुएला में सत्ता हस्तांतरण को लेकर अनिश्चितता में अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन । वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद देश की सबसे ताकतवर राजनीतिक पहचान तो सामने से हट गई है, लेकिन अब असली सवाल यह है कि आगे देश कौन चलाएगा और सत्ता का बदलाव किस तरह होगा। खुद अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस पर अभी काफी अनिश्चितता है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ कहा कि अमेरिका मादुरो या उनके उत्तराधिकारियों को वैध नहीं मानता। फिर भी, जमीनी हालात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' पर एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, 'हमें उन लोगों से निपटना होगा जिनके पास बंदूकें हैं।' उनका इशारा वेनेजुएला की सुरक्षा एजेंसियों और सरकारी ढांचे की ओर था, जो अभी भी सक्रिय हैं।

रुबियो ने एबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज़ के साथ इंटरव्यू में पुष्टि की कि उन्होंने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से बात की थी, जिन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी के बाद नेतृत्व की भूमिका संभाली है। उन्होंने यह नहीं बताया कि बातचीत में क्या सहमति बनी। उनका कहना था कि असली महत्व इस बात का है कि आगे वे क्या कदम उठाते हैं। रुबियो ने दोहराया कि किसी से बातचीत करने का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका उसे वैध नेता मान रहा है। रविवार को वैधता का मुद्दा चर्चा का केंद्र रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि डेल्सी रोड्रिग्ज पर पहले से ही अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध हैं और वह मादुरो सरकार का अहम चेहरा रही हैं। सीएनएन पर न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार डेविड सेंगर ने कहा कि मौजूदा अमेरिकी सरकार लोकतांत्रिक प्रतीकों से ज़्यादा व्यवहारिक रास्ता अपना रही है और फिलहाल उनसे काम ले रही है, जो तुरंत सहयोग कर सकें।

इस बीच, कुछ विशेषज्ञों ने विपक्षी नेताओं मारिया कोरीना मचाडो और एडमोंडो गोंजालेज का भी जिक्र किया, जिन्होंने 2024 के विवादित चुनाव में जीत का दावा किया था। फिलहाल वे सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया से बाहर हैं।

रुबियो ने विपक्ष के प्रति सम्मान जताया, लेकिन कहा कि इतने सालों के तानाशाही शासन के बाद तुरंत चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने एबीसी न्यूज़ से कहा, 'हर कोई कल चुनाव चाहता है। यह बेतुका है। इन चीज़ों में समय लगता है और एक प्रक्रिया होती है।' सैन्य जानकारों ने चेतावनी दी कि वेनेजुएला वेनेजुएला के सशस्त्र बल शक्तिशाली और एकजुट बने हुए हैं। पूर्व अमेरिकी दक्षिणी कमान प्रमुख एडमिरल जेम्स स्टावरिडिस ने सीएनएन पर कहा कि अमेरिका के सामने मुश्किल विकल्प हैं या तो मौजूदा ढांचे के साथ काम किया जाए, या फिर अराजकता का खतरा उठाया जाए। रुबियो ने बताया कि अमेरिका तेल से जुड़े प्रतिबंधों और समुद्री निगरानी के ज़रिए दबाव बनाए रखेगा और देखेगा कि अंतरिम नेतृत्व कैसे व्यवहार करता है।

मादुरो को 'पकड़ने' के बाद ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को दी धमकी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज़ को चेतावनी दी है। रविवार को एयर फ़ोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अगर रोड्रिग्ज़ ने अमेरिका की बात नहीं मानी तो उनका अंजाम भी निकोलस मादुरो जैसा हो सकता है। सत्ता परिवर्तन और नेशन बिल्डिंग के ख़िलाफ़ अपने पुराने बयानों पर सवाल किए जाने पर ट्रंप ने कहा, 'यह हमारा इलाक़ा है, मोनरो डॉक्ट्रिन के तहत।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ज़िम्मेदारी है कि उसके आसपास के देश स्थिर और सफल हों और वहां से तेल बिना किसी रुकावट के बाहर आ सके। ट्रंप ने वेनेजुएला को 'डेड' बताते हुए कहा कि देश को 'वापस पटरी पर लाना' ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि

वेनेजुएला के इंफ़्रास्ट्रक्चर को दोबारा खड़ा करने के लिए तेल कंपनियों को बड़े पैमाने पर निवेश करना होगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने साफ़ किया कि अमेरिका खुद कोई निवेश नहीं करेगा, लेकिन देश और वहां के लोगों का ख़याल रखेगा, जिनमें वे वेनेजुएलाई लोग भी शामिल हैं जो मजबूरी में अपना देश छोड़कर अमेरिका में रह रहे हैं। जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर डेल्सी रोड्रिग्ज़ देश की अगुआई करेंगी, तो ट्रंप ने कहा कि उनकी टीम उनसे संपर्क में है, लेकिन चेतावनी दी कि अगर उन्होंने अमेरिकी निर्देशों का पालन नहीं किया तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के पति को इलाज के लिए भारत ले जाया गया

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के पति दुर्गा प्रसाद सुवेदी को उपचार के लिए भारत ले जाया गया है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल, महाराजगंज में इलाजरत सुवेदी को रात को एयर इंडिया के विमान से भारत ले जाया गया है। उन्हें दिल्ली के मेदांता अस्पताल में भर्ती करा कर आगे का उपचार किया

जाएगा। काठमांडू में उनके स्वास्थ्य अवस्था में संतोषजनक सुधार नहीं आने के बाद चिकित्सकों के सलाह पर दिल्ली ले जाया गया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के निजी चिकित्सक मन बहादुर केसी ने बताया कि सुबेदी के इलाज में शामिल चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें काठमांडू से दिल्ली भेजा गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, उन्हें मूत्र संक्रमण, शरीर में नमक की मात्रा कम होना और चक्कर आने जैसी समस्याएं थीं। इससे पहले उनकी प्रोस्टेट की सर्जरी भी हो चुकी है। फिलहाल संक्रमण के कारण चक्कर आने जैसी परेशानियां बढ़ने पर उन्हें गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया 'अच्छा आदमी', रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी भी दी

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर फिर से टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे दी। ट्रंप ने पीएम मोदी को रूसी तेल की खरीद में कटौती करने के लिए 'अच्छा आदमी' कहा है। स्थानीय समयानुसार रविवार को फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच से व्हाइट हाउस लौटते समय एयर फोर्स वन पर ट्रंप ने मीडिया से कहा, 'मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं।' इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि रूस से लगातार ऊर्जा की खरीद पर वॉशिंगटन की नाराजगी को समझने के बाद भारत ने अपनी नीतियों में बदलाव किया। शुरू में इन सवालों का जवाब सीनेटर लिंडसे ग्राहम दे रहे थे, लेकिन फिर बीच में ट्रंप ने मीडिया से कहा, 'वे असल में मुझे खुश करना चाहते थे। हां, पीएम मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं था, और मुझे खुश करना जरूरी था। वे व्यापार करते हैं, और हम उस पर बहुत तेजी से टैरिफ बढ़ा सकते हैं।' इसके अलावा, ग्राहम ने कहा कि

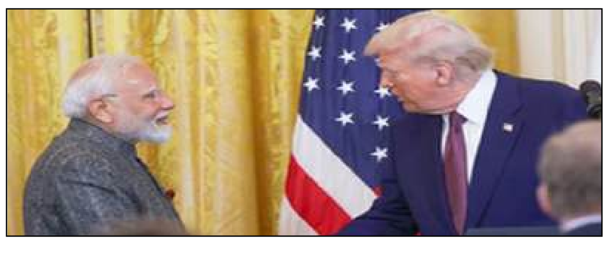

अमेरिकी टैरिफ के दबाव की वजह से भारत को पहले ही रूसी तेल की खरीद में काफी कमी करनी पड़ी है। इस कदम से यूक्रेन में अपनी जंग जारी रखने की मॉस्को की क्षमता कमजोर हो रही है और यह दिखाता है कि टैरिफ एक विदेश नीति के हथियार के तौर पर कितना असरदार है। सीनेटर ग्राहम ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर लगाए गए ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ को क्रेडिट दिया और कहा कि इस कदम के साफ नतीजे दिखे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगता है कि उन्होंने भारत के साथ जो किया, वही मुख्य वजह है कि भारत अब काफी कम रूसी तेल खरीद रहा है।' दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर भारत अपना रास्ता बदलता है तो टैरिफ का दबाव तेजी से बढ़ सकता है। ट्रंप ने कहा, 'हम उन पर बहुत तेजी से टैरिफ बढ़ा सकते हैं। व्यापार का फायदा पूरी तरह से अमेरिका के हाथों में है।' ग्राहम ने कहा कि उनका कानून राष्ट्रपति को उन देशों पर टैरिफ लगाने का पूरा अधिकार देगा जो कम कीमत पर रूसी ऊर्जा खरीदना जारी रखे हुए हैं। अमेरिकी सीनेटर ने कहा, 'अगर आप पुतिन की वॉर मशीन को चालू रखने के लिए सस्ता रूसी तेल खरीद रहे हैं, तो हम राष्ट्रपति को यह मुश्किल फैसला लेने की क्षमता देने की कोशिश कर रहे हैं।' ग्राहम ने कहा कि 85 को-स्पॉन्सर्स के समर्थन वाला यह बिल, पूरी तरह से राष्ट्रपति की इच्छा से जीरो से 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने की इजाजत देगा। इस तरीके के नतीजे पहले ही दिखने लगे हैं। इसके साथ ही ग्राहम ने दावा किया, 'मैं करीब एक महीने पहले भारतीय राजदूत के घर पर था, और वह बस यही बात करना चाहते थे कि वे रूस से कम तेल कैसे खरीद रहे हैं। यह काम करता है।' ट्रंप ने अपने तरीके की तुलना पूर्व की बाइडेन सरकार से की, जिस पर उन्होंने यूक्रेन को बड़ी रकम देने का आरोप लगाया और कहा, 'बाइडेन ने 350 बिलियन डॉलर दिए। अब हमें पैसे मिलते हैं।'

मिट्टी में सुधार कैसे करें

सभी माली को कभी-कभी जमीन के एक टुकड़े की मिट्टी में सुधार की चुनौती का सामना करना पड़ता है। खेती के लिए सभी मिट्टी में अच्छी स्थिति नहीं है। हालांकि, मिट्टी में सुधार कृषि श्रमिकों के लिए एक आम काम है (चाहे एक छोटी परियोजना में लगे हों या बड़े हिस्से में)। मिट्टी को प्रभावी ढंग से सुधारने के लिए विशिष्ट कौशल और रणनीतियों को लागू करना आवश्यक है। मिट्टी में सुधार करने और भूमि के एक टुकड़े के प्रभावी उपज को बढ़ाने के लिए यहां कुछ सबसे अधिक अनुशंसित विधियां दी गई हैं।

मिट्टी पोषक तत्वों में सुधार करें

1 जांच लें कि आपके पौधों को ज़रूरत क्या है बागवानी के लिए तीन महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं: पत्तियों के विकास के लिए नाइट्रोजन (एन) और रोगों के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जड़ों, फलों और बीज और पोटेशियम (के) के लिए फास्फोरस (पी), पौधों की सामान्य स्वास्थ्य पत्तियों के विकास पर ध्यान देने के लिए रोपाई को अधिक फॉस्फोरस की आवश्यकता हो सकती है और पौधों को आमतौर पर इन पोषक तत्वों की बहुत कम आवश्यकता होती है जब यह मौसम नहीं बढ़ रहा है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, विशिष्ट पौधों की जांच करें ताकि आप उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें। इन्हें आम तौर पर तीन मानों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है एनपीके, जो उस क्रम में इन पोषक तत्वों के अनुपात या कुल मात्रा को दर्शाते हैं।

2 कार्बनिक स्रोतों से उर्वरक चुनें पौधे के मामले और पशु पदार्थ (जैसे मछली का पायस या मछली हाइड्रोलाइजेट) लंबी अवधि के माइक्रोबियल विकास के लिए सर्वोत्तम प्रकार के उर्वरक प्रदान करते हैं, जो मिट्टी को पोषक तत्वों और छिद्रपूर्ण समृद्ध रखती हैं। प्रयोगशालाओं में संश्लेषित उर्वरक आम तौर पर मिट्टी में सुधार किए बिना पौधे को भोजन करते हैं और कुछ मामलों में, वे नकारात्मक प्रभाव भी पैदा कर सकते हैं।

मिट्टी के additives के साथ काम करते समय हमेशा अपने हाथों और चेहरे की रक्षा करें, क्योंकि ये कुछ बैक्टीरिया और अन्य स्वास्थ्य खतरों के होते हैं।

3 खाद या अन्य कार्बनिक पदार्थों का उपयोग करने पर विचार करें विनिर्मित उर्वरकों के बजाय, आप एक बगीचे की आपूर्ति की दुकान या खेत पर सस्ता, अप्रसारित उर्वरक पा सकते हैं। ये कुछ सामान्य विकल्प हैं पौधों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए आपको खाद को कम से कम एक महीने का उपयोग करने से पहले सिकोड़ना चाहिए।

चिकन या टर्की खाद किफायती है, लेकिन बड़े क्षेत्रों में अपवाह समस्याओं का कारण हो सकता है। गाय, भेड़, बकरी और खरगोश की खाद उच्च गुणवत्ता वाले हैं और कम सख्त गंध है। फास्फोरस या नाइट्रोजन के लिए खून के भोजन के लिए हड्डी का भोजन जोड़ें।

4 अपना खुद का खाद बनाएं, नए खाद को आमतौर पर परिपक्व होने में चार से आठ महीने लगते हैं, जब तक कि आप विशेष जीवाणुओं को जोड़कर इस प्रक्रिया को गति नहीं देते। यदि आप इस प्रक्रिया के साथ जारी रखने के लिए तैयार हैं तो यह दीर्घकालिक परियोजना, मिट्टी और पोषक तत्वों की बनावट दोनों को बहुत फायदा पहुंचेगी। एक बड़े बाहरी कंटेनर को अलग रखें जो कि इसे जानवरों से बचाने के लिए हीमेटिक रूप से सील किया गया है, लेकिन छिद्रों के साथ हवा को प्रसारित करने के लिए निम्नलिखित तकनीकों के साथ इसकी देखभाल करें- 20% भूमि, खाद या परिपक्व खाद के साथ शुरू करें - कच्चे खाद्य का 10 से 30% पौधों से निकला रहता है - और 50 से 70% सूखे पत्ते, घास कतरनों और घास के साथ। उन्हें अच्छी तरह से मिलाएं कंपोस्ट गर्म और नम रखें और चिकन अवशेषों से गैर-मांस (कच्चे) भोजन जोड़ें। एक फोर्क या फावड़ा के साथ खाद को एक हफ्ते में कम से कम एक बार या हर दो हफ्ते ऑक्सीजन पेश करने के लिए बारी बारी से फायदेमंद बैक्टीरिया के विकास को उत्तेजित करता है।

बर्फबारी के बाद मुगल रोड पर सभी वाहनों के यातायात को तत्काल निलंबित करने का दिया आदेश

शोपियां, 05 जनवरी(हि.स.)। सोमवार को पीर की गली में ताजा बर्फबारी के बाद मुगल रोड पर सभी वाहनों के यातायात को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यातायात ने कहा कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति और ऊंचाई वाले दर्रे पर बर्फ जमा होने के कारण यह निर्णय लिया गया है जिससे सड़क आवाजाही के लिए असुरक्षित हो गई है।

एसएसपी ट्रैफिक ने कहा कि पीर की गली में ताजा बर्फबारी के कारण मुगल रोड पर सभी यातायात तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। प्रतिबंध अगली सूचना तक लागू रहेगा।

मुगल रोड कश्मीर घाटी को जम्मू क्षेत्र के जुड़वां जिलों राजौरी और पुंछ से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है। भारी बर्फबारी और ऊंची चोटियों पर फिसलन की स्थिति के कारण सर्दियों के महीनों के दौरान सड़क अक्सर बंद हो जाती है।

यातायात अधिकारियों ने यात्रियों और ट्रांसपोर्टरों को आधिकारिक मंजूरी जारी होने तक मुगल रोड पर यात्रा की योजना बनाने से बचने की सलाह दी है।

मौसम और सड़क की स्थिति के आकलन के बाद यातायात बहाली के संबंध में आगे की जानकारी दी जाएगी।

इस बीच, आसपास के इलाकों में स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी सलाह का पालन करने का आग्रह किया गया है क्योंकि ऊपरी इलाकों में बर्फबारी की बर्फबारी के बाद मुगल रोड पर सभी वाहनों के यातायात को तत्काल निलंबित करने का दिया आदेश गतिविधि जारी है।

गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में ताजी हुई बर्फबारी

गुलमर्ग, 05 जनवरी (हि.स.)। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में ताजी बर्फबारी हुई है जिससे सर्दियों की इस मशहूर जगह पर आने वाले टूरिस्ट खुश हो गए हैं। टूरिस्ट ढलानों और खुली जगहों पर ताजी बर्फ का मजा लेते दिखे कई लोगों ने तस्वीरें और वीडियो बनाए क्योंकि रिसॉर्ट सफेद हो गया था।

इस बर्फबारी ने गुलमर्ग की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए और विजिटर्स के लिए सर्दियों का पूरा अनुभव और भी अच्छा कर दिया।

लोकल टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स ने कहा कि ताजी बर्फबारी से स्कीइंग के हालात बेहतर हुए हैं और आने वाले दिनों में टूरिस्टों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। गुलमर्ग कश्मीर में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सर्दियों की जगहों में से एक है, खासकर जब बर्फबारी सबसे ज्यादा होती है। अधिकारियों ने कहा कि मौसम अच्छा बना हुआ है और टूरिस्टों की आवाजाही में कोई रुकावट नहीं आई। विजिटर्स को बर्फ से जुड़ी एक्टिविटीज का मजा लेते समय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करने की सलाह दी गई। ताजी बर्फबारी ने इस इलाके में सर्दियों के टूरिज्म सीजन के लगातार चलने की उम्मीद जगाई है।

प्याज की सफल खेती

- Compiled by C M Sharma

प्याज एक भूमिगत शाक भाजी वाली तना फसल है। प्याज शाक भाजी के अलावा मसाले के रूप में भी प्रयोग होती है प्याज के प्रसिद्ध होने का कारण, इसमें उपस्थित बहुत से पौष्टिक तत्व हैं। जो कि कई रोगों का निवारण रखने का गुण भी रखते हैं। प्याज हैजा और लू आदि से बचाता है यह रक्तशोधक तथा रक्तवर्धक औषधि भी है।

प्याज की खेती के लिए उपयुक्त भूमि:--

प्याज की खेती वैसे तो हर तरह की भूमियों में की जा सकती है। परंतु बलुई दोमट या दोमट मिट्टी में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। और खासकर दोमट मिट्टी में प्याज की खेती बहुत अच्छी तरह से होती है और ध्यान में रखना चाहिए कि भारी भूमियों में प्याज के कंद की बढ़ोतरी अच्छी नहीं होती है इसलिए भारी भूमियों में इसकी खेती न ही करें।

प्याज की खेती के लिए भूमि की तैयारी:--

प्याज के लिए भूमि की गहरी जुताई की जरुरत नहीं पड़ती है क्योंकि इसकी जड़ें बहुत गहरी नहीं जाती हैं लगभग 4से5 बार की जुताई पर्याप्त होती है हर एक जुताई के बाद खेत में पटेला घुमा देना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए। खेत की तैयारी के समय ही उसमें पर्याप्त मात्रा में गोबर की सड़ी हुई गोबर की खाद डालनी चाहिए।

प्याज की खेती के लिए उन्नत किस्में:--

पूसा रेड, पूसा रतनार, निफाद-53, एग्रीफाउंड डार्क रेड, पटना रेड, उदयपुर-102, नासिक रेड, वी एल-67, वी एल-72, यलो ग्लोब, पटना सफेद, पूसा सफेद गोल, नासिक व्हाइट, सलेक्शन-131, अर्का निकेतन, अर्का कल्याण, आदि अच्छी प्रकार की किस्में मानी जाती हैं।

भीमाराज, भीमा रेड, भीमा सुपर :- यह प्याज की तीनों प्रजातियां खरीफ ऋतु के लिए विकसित की गई है जिनकी उपज 400 से 450 क्विंटल/हेक्टेयर है। तथा यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, आदि क्षेत्रों के लिए बहुत बढ़िया है।

ध्यान रखें:--

लाल छिलकों वाली किस्मों की भंडारण क्षमता सफेद और पीले छिलके वाली किस्मों की अपेक्षा अधिक होती है सफेद छिलके वाली किस्में सुखाने के लिए बहुत उपयुक्त होती हैं तथा इनका अधिकतर प्रयोग आयुर्वेदिक दवाइयों के बनाने में किया जाता है।

प्याज के बीज की बुवाई:--

प्याज की खेती में उसकी रोपाई की जाती है तथा उसके लिए प्याज की नर्सरी तैयार की जाती है। किसान भाईयों प्याज के बीज की बुवाई/रोपाई आगे दिए गए चरणों में करते हैं।

बीज का चुनाव:--

प्याज की खेती करने से पहले बीज का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब आप प्याज के बीज का चुनाव कर रहे हों तो किसी प्रमाणित कम्पनी का और अच्छी रेटिंग वाला ही बीज खरीदें।

बीज का उपचार:--

बीज को फफूंदी नाशक दवा जैसे- केप्टान, थायरम, आदि से 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर लें।

बीज की बुवाई का समय:--

मैदानी क्षेत्रों में:--

मैदानी क्षेत्रों में बीज को नर्सरी में अक्टूबर के अन्त से नवम्बर के मध्य तक बोना चाहिए। और खरीफ फसल की बुवाई जून में करते हैं।

नीचे पहाड़ी क्षेत्रों में (2000 मीटर तक):--

अक्टूबर में बीज बोते हैं।

ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में (2000 मीटर से ऊपर):--

फरवरी - मार्च में बीज बोते हैं।

बीज को पौधशाला में उचित समय पर ही बोया जाना चाहिए। अधिक अगेती बुवाई करने पर गांठे अच्छी नहीं बनती हैं और इनमें डंठल निकल आते हैं।

बीज की मात्रा

एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपाई करने के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज की नर्सरी पर्याप्त रहती है।

साधारण रूप में एक हेक्टेयर की रोपाई करने के लिए 500 वर्गमीटर भूमि में तैयार की गई पौध पर्याप्त रहती है। पौधशाला किसी ऐसे स्थान पर बनानी चाहिए जहां पर सिंचाई तथा पानी के निकास का अच्छा प्रबंध हो सके। जिस भूमि में पौध तैयार करनी हो उसे अच्छी प्रकार से भुरभुरी बना लें। अब इस भूमि में पौध तैयार करने के लिए 5 मीटर लंबी तथा 1 मीटर चौड़ी क्यारियां भूमि से लगभग 15-20 सेन्टीमीटर ऊंची बना लेनी चाहिए। हर एक क्यारी में 10 से 15 किलोग्राम गोबर की सड़ी हुई खाद तथा 10 से 15 ग्राम दानेदार फ्यूराडान अच्छी प्रकार से मिट्टी में मिला देनी चाहिए और इसके बाद में क्यारियों को समतल बना लेना चाहिए। क्यारियां तैयार करने के बाद बीज को उपचारित कर लें। और उपचारित बीज को तैयार क्यारियों में सूखी राख या मिट्टी में मिलाकर समान रूप से बिखेर दें और मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद का मिश्रण क्यारियों में बुरककर बीज को अच्छी प्रकार से ढक दें। अच्छा तो यह रहेगा की क्यारियों में 8 से 10 सेंटीमीटर की दूरी पर लाइने खींचकर बीज को लगभग डेढ़ सेंटीमीटर की गहराई पर बोकर मिट्टी से ढक दें। बीज बोने के बाद हजारे से या किसी बाल्टी में पानी भरकर हल्की सिंचाई कर दें। क्यारियों को सूखी घास की हल्की परत से ढक दें। एक दिन के अंतर से सिंचाई करते रहना चाहिए जब बीज का अंकुरण हो जाए तो घास की परत को हटा देना चाहिए ताकि छोटे पौधों को धूप तथा हवा लग सके। आवश्यकता के अनुसार खरपतवार निकालते रहना चाहिए। डाईथेन एम-45 दवा का 0.25% का घोल बनाकर पौधों पर एक-दो छिड़काव कर देने से बीमारी आदि का भय नहीं रहता है। बुवाई के लगभग 6 से 7 सप्ताह बाद पौधे रोपाई योग्य हो जाते हैं क्योंकि तब तक पौधे लगभग 8 से 10 सेंटीमीटर के हो जाते हैं।

पौध की रोपाई

तैयार हुए खेत में पौध की रोपाई से पहले सिंचाई के साधन के अनुसार क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लेनी चाहिए क्यारियों में पौध की रोपाई के लिए रस्सी की मदद से 15 सेन्टीमीटर की दूरी पर लाइनें बना लेनी चाहिए और इन लाइनों में पौधे से पौधे की दूरी 10 सेन्टीमीटर रखते हुए 2 से 2.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर पौधे की रोपाई करें और ध्यान में यह भी रखना चाहिए, कि एक जगह पर एक से अधिक पौधे नहीं लगाएं। पौध की रोपाई, जहां तक संभव हो दोपहर के बाद ही करनी चाहिए। रोपाई के तुरंत बाद ही हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए मैदानी क्षेत्रों में रोपाई मध्य दिसम्बर से मध्य जनवरी तक जरुर कर देनी चाहिए फरवरी महीने में भी प्याज की रोपाई करते हैं रोपाई करने से पहले पौधे के ऊपर के भाग को काट देना चाहिए जिससे पौधों को स्थापित होने में मदद मिलती है।

रोपाई से 3 से 4 सप्ताह पहले खेत की तैयारी के समय 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर की सड़ी हुई खाद भूमि में अच्छी प्रकार से मिला देनी चाहिए उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी की जांच के अनुसार ही करना चाहिए यदि मिट्टी की जांच संभव ना हो सके तो बलुई दोमट भूमि में 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस, 100 किलोग्राम पोटाश और 25 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देनी चाहिए नाइट्रोजन की आधी मात्रा, फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा को आखिरी जुताई के समय खेत में अच्छी प्रकार मिला देना चाहिए तीनों उर्वरकों के मिश्रण को कुंड में 5 से 7 सेंटीमीटर गहरा डाल दिया जाता है। नाइट्रोजन की बची शेष मात्रा को रोपाई के एक महीने बाद खड़ी फसल में देते हैं।

प्याज की खेती के लिए सिंचाई और जलनिकास

अगर आप प्याज की अच्छी से अच्छी उपज पाना चाहते हैं तो आपको अपने खेत में पर्याप्त नमि बनाए रखना जरूरी होगा। सिंचाइयों की संख्या मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करती है प्रयोगों में देखा गया है कि प्याज की फसल की प्रारंभिक अवस्था में प्याज को कम पानी की जरुरत पड़ती है। लेकिन बाद में ज्यादा सिंचाइयां करनी पड़ती हैं। साधारण रूप में प्याज को 10 से 12 सिंचाइयों की जरुरत पड़ती है सर्दियों के दिनों में 12 से 15 दिनों के अंतर पर और गर्मियों में 7 से 8 दिन के अंतर पर सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई पूरे खेत में एक समान और हल्की करनी चाहिए। प्याज के खेत में कभी भी जरुरत से ज्यादा पानी नहीं भरने देना चाहिए नहीं तो कंद फट सकते हैं और सड़ भी सकते हैं इसलिए जरुरत से ज्यादा पानी खेत से निकाल देना चाहिए।

प्याज की फसल में पौधे की पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी इतनी कम होती है कि हांथ से निकाई-गुड़ाई करना बहुत कठिन हो जाता है निकाई-गुड़ाई करते समय विशेष ध्यान की जरुरत होती है ताकि कम से कम संख्या में पौधें कटे या टूटें।

प्याज की फसल में खरपतवार और उनका नियंत्रण

प्याज की फसल में मुख्य रूप से बथुआ, खरतुआ, मोरेला, प्याजी, मोथा, चिरायता, मकड़ा, दूब, जंगली चौलाई, सत्यानाशी, आदि खरपतवार उगते हैं जिनको खेत से बाहर निकालना जरुरी होता है।

खरपतवारों को निकाई-गुड़ाई करके निकाला जा सकता है। अच्छा तो यह रहता है कि खरपतवारों को उगने से रोकने के लिए खरपतवारनाशी दवाओं का प्रयोग किया जाए। टोक ई -25 की 6 लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रोपाई के बाद छिड़काव करने से खरपतवार नहीं उगते हैं और भी कई रसायनों का प्रयोग किया जाता है लेकिन किसी भी रसायन का प्रयोग करने से पहले एक बार विशेषज्ञ की सलाह जरुर ले लें।

प्याज की फसल में लगने वाले रोग तथा उनका नियंत्रण

प्याज में लगने वाले प्रमुख खतरनाक रोग तथा उनकी रोकथाम के उपाय आगे दिए गए हैं।

बैंगनी धब्बा रोग-

यह रोग पत्तियों, बीज स्तंभों, और प्याज की गांठों पर लगता है। रोगी भाग पर छोटे, सफेद धंसे हुए धब्बे बनते हैं, जिनका बीच का भाग बैंगनी रंग का होता है। इन धब्बों की सीमाएं लाल या बैंगनी रंग की होती हैं तथा उनके चारों ओर कुछ दूरी पर फैला एक पीला क्षेत्र पाया जाता है।

रोकथाम-

बीज को थायरम नामक दवा से 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोना चाहिए।

इंडोफिल एम-45 की 2.5 किलोग्राम मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से 8से10 दिनों के अंतर पर छिड़काव करें और लगभग 4-5 छिड़काव करें।

मृदु रोमिल आसिता रोग

इस रोग के लक्षण पत्तियों पर धब्बों के रूप में होते हैं ये धब्बे आकार में अंडाकार से लेकर आयताकार तक होते हैं इनका रंग पीला होता है जिसके कारण पत्तियों में हरे पदार्थ की कमी के लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं रोग के प्रभाव से पत्तियों का रोगग्रस्त भाग सूख जाता है रोगी पौधे से कंद छोटे-छोटे प्राप्त होते हैं।

इंडोफिल एम-45 की 2.5 किलोग्राम मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें इसके बाद 7 से 8 दिन के अंतर से छिड़काव करें।

प्याज की फसल में लगने वाले कीड़े तथा उनका नियंत्रण:--

प्याज की फसल को कई कीड़े नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन हम यहां पर कुछ महत्वपूर्ण कीड़ों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

प्रौढ़ कीड़ा लगभग एक मिलीमीटर लम्बे, बेलनाकार, व पीले रंग के होते हैं।

प्रौढ़ व शिशु दोनों ही प्याज की फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। इनके खरोंचने तथा चूसने वाले मुखांग होते हैं ये पत्तियों की बाहरी परत पर खुरचने पर निकले हुए रस को चूसते हैं। जब इनका प्रकोप अधिक होता है तो पत्तियों की नोक कत्थई रंग की हो जाती है और सूखी हुई सी प्रतीत होती है। बाद में पूरा पौधा पीला या भूरा होकर, सूखकर जमीन पर गिर जाता है।

इस कीड़े की रोकथाम के लिए 0.15% साइपरमेथ्रिन अथवा 0.2% सेविन का 600 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। अथवा 750 मिलीe मैलाथियान 50 ईसी 750 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

यह कीड़ा भी प्याज की फसल को बहुत हानि पहुंचाता है इस कीड़े की सूंडी लम्बी होती है और इसका रंग हरा-भूरा होता है ऊपर की तरफ काले रंग की टेढ़ी-मेढ़ी धारियाँ होती हैं बगल में पीली धारियां होती हैं यह कीड़ा प्याज की खेती, मिर्च की खेती, बैंगन की खेती, मूली की खेती, आदि में उनकी पत्तियों को खाकर नुकसान पहुंचाता है।

कीड़े के अंडों तथा सूंडियों को इक्ठ्ठा करके नष्ट कर दें ज्यादा प्रकोप होने पर 0.15 प्रतिशत साइपरमेथ्रिन के घोल का फसल पर छिड़काव करें फसल पर 4 प्रतिशत सेविन धूल का भी बुरकाव कर सकते हैं।

जब पत्तियां सूख कर गिरने लगें लेकिन पूरी तरीके से सूखी न हों बल्कि उनका लगभग 70 प्रतिशत भाग सूख चुका हो तो खुदाई करनी चाहिए। प्याज की पत्तियों को पैरों से कुचल देने पर फसल कुछ जल्दी पक जाती है लेकिन ऐसा तभी करना चाहिए प्याज की पत्तियों को पैरों से कुचल देने पर फसल कुछ जल्दी पक जाती है लेकिन ऐसा तभी करना चाहिए जब गांठें पूरी तरह से बढ़ चुकी हों और फसल पक चुकी हो कच्ची फसल को कुचल देने पर गांठें छोटी रह जाती हैं और भण्डारण में भी वे जल्दी खराब होने लगती हैं देर से खुदाई करने पर गांठों से जड़ें निकलने लगती हैं जिसके कारण बाजार में उसकी अच्छी कीमत नहीं मिलती है हल्की भूमि में गांठों को हांथ से खींचकर निकाला जा सकता है यदि भूमि कड़ी हो तो खुर्पी या कुदाली की मदद से खुदाई कर सकते हैं।

गांठ के लिए उगाई जाने वाली फसल में ही कभी-कभी पुष्प डंठल निकल आते हैं, जिससे प्याज की गुणवत्ता घट जाती है, पुष्प डंठल का निकलना ही बोल्टिंग कहलाता है। इस प्रकार के डंठल ही गांठ में एकत्रित भोजन का उपयोग करते हैं जिसके कारण प्याज हल्की और तंतुयुक्त हो जाती है तापमान की विभिन्नता, बीज की बेकार किस्म, कमजोर भूमि, पौध की आयु, पौधों की आपस की दूरी, आदि बोल्टिंग के कारण हो सकते हैं जल्दी रोपी गई फसल में बोल्टिंग ज्यादा होता है उन्नत तरीकों से खेती करने पर एक हेक्टेयर से प्याज की 250 से 300 क्विंटल तक उपज आसानी से मिल जाती है। और हरी प्याज की 80 से 90 क्विंटल/हेक्टेयर तक मिल जाती है।

प्याज की विपणन हेतु तैयारी:--

प्याज की खुदाई करने के बाद उनके ऊपर के डंठल काट दिए जाते हैं और गांठों को फर्श पर छायादार स्थान में फैला दिया जाता है। क्षतिग्रस्त, कटी-फटी और मोटी गर्दन वाली गांठों को अलग कर लिया जाता है और उन्हें तुरंत बाजार भेज दिया जाता है छांटने के बाद बढ़िया किस्म की गांठों को हवादार और सूखे स्थान पर सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है। सुखाते समय प्याज को सीधी धूप तथा वर्षा से बचाना जरुरी होता है सूखे मौसम में 15 से 20 दिन के भीतर प्याज की गांठें सूख जाती हैं और उनका छिलका कड़ा हो जाता है इसके बाद इनको पतले हवादार बोरों में भरकर भेज दिया जाता है।

प्याज का भण्डारण

प्याज को भंडारित करने से पहले अच्छी तरह से सुखा लेना चाहिए अच्छे हवादार कमरों में, जिनका फर्श सीलन-रहित हो, प्याज की गांठों को भंडारित किया जा सकता है। इन्हें फर्श पर 8 से 10 सेन्टीमीटर की परत बनाकर फैला देनी चाहिए। भण्डारण में प्याज का ढेर बनाकर नहीं रखना चाहिए। कमरे में भंडारित प्याज को बीच बीच में उलटते रहना चाहिए और सड़ी तथा अंकुरित गांठों को निकाल देना चाहिए।

कई प्रयोगों से पता चला कि 0 डिग्री सेल्सियस तापमान और 70 से 75 प्रतिशत आपेक्षिक आर्द्रता पर प्याज की गांठों को 4 से 5 महीने तक सुरक्षित रखा जा सकता है। साधारण तापमान पर हवादार स्थान में प्याज को खुले बक्सों में या रस्सियों के बनाए हुए जालीदार छींकों में लटकाकर या नमी रहित फर्श पर 2 से 3 पतली तहों में बिछाकर काफी समय तक भंडारित कर सकते हैं।